हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 112 ● भिलाई, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### एनसीबी गोवा ने युगांडा की महिला ड्रग तस्कर को 10 साल की सजा दिलाई

**गोवा।** नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), गोवा जोनल यूनिट ने एक आरोपी को दोषी ठहराने में सफलता हासिल की है। आरोपी महिला को तब पकड़ा गया था, जब वह एक सफेद कपड़े के थैले में नेस्ले सेरेलेक बेबी सीरियल विद मिल्क रागी एप्पल (बच्चों का खाना) के 2 कार्टन ले जा रही थी, जिनके अंदर 995 ग्राम मेथामफेटामाइन छिपाकर रखा गया था। कर्नाटक के धारवाड़ स्थित प्रधान सत्र न्यायालय (प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट) ने युगांडा की रहने वाली एग्नेस नग्गायी को दोषी करार देते हुए 10 साल की कठोर कारावास और 1 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर एनसबी बेंगुलुर जोनल यूनिट की एक टीम ने 6 जनवरी 2022 को हुबली रेलवे स्टेशन पर युगांडा की 30 वर्षीय एक महिला को पकड़ा, जो दिल्ली से ट्रेन द्वारा आ रही थी। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद सफेद कपड़े के थैले से नेस्ले सेरेलेक बेबी सीरियल विद मिल्क रागी एप्पल के 2 कार्टन मिले, जिनके अंदर 995 ग्राम मेथामफेटामाइन छिपाकर रखा गया था।

### रिश्ते शर्मसार, पिता ने की बेटी की हत्या, फिर पत्नी पर किया जानलेवा हमला

**रीवा।** मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी छह साल की बेटी की हत्या कर दी और चाकू से हमला कर अपनी पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना तब हुई जब वे सो रहे थे। आरोपी की पहचान उमेश केवट के रूप में हुई है। उसने अपनी पत्नी और बेटी पर हमला करने के बाद कथित तौर पर चाकू से अपना गला भी काट लिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। यह घटना देर रात चुरहट कस्बे में मंदार तालाब के पास हुई, जहां उमेश अपनी पत्नी सावित्री और दो बेटियों के साथ एक कच्ची झोपड़ी में रहता था। पुलिस के अनुसार, सावित्री अपनी दो बेटियों के साथ एक खाट पर सो रही थी, जबकि उमेश दूसरी खाट पर था। वह कथित तौर पर चाकू लेकर उनके पास पहुंचा, सावित्री के चेहरे पर हमला किया और फिर छह साल की बेटी पर हमला कर दिया।

### महिला से रिश्वत मांगने और आपत्तिजनक बातचीत के आरोप में दारोगा निलंबित

**मोतिहारी।** बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में जमीन विवाद के एक मामले में महिला से रिश्वत लेने और आपत्तिजनक बातचीत करने के आरोप में सुगौली थाने में तैनात एक दारोगा को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर दारोगा और महिला के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने यह कार्रवाई की। निलंबित पुलिस पदाधिकारी की पहचान शैलेश कुमार के रूप में हुई है। मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सौंपी गई है ।

फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन

# पिछले 12 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदली

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में फिक्की के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने भारत की बदलती आर्थित तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा है कि विश्व की बड़ी-बड़ी संस्थाएं विकसित भारत की सराहना कर रही है। उन्होंने आगे कहा जब सही नीतियों से काम हुआ तो महज 12-13 वर्षों में देश का 50 करोड़ गरीब गरीबी रेखा से बाहर आया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 100 वर्षों के सफर और देश में हुए आर्थिक बदलावों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। देश ने लाइसेंस-कोटा राज से लेकर राष्ट्रीयकरण के प्रयोग और एक ऐसे दौर का सामना किया, जब भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं यानी फ्रैजाइल फाइव में गिना जाने लगा था। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने मिलकर इस स्थिति को बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने इस बदलाव में देश के अलग-अलग वर्गों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने अलग-अलग नीतिगत दौर देखे हैं। एक समय ऐसा था, जब देश में लाइसेंस-कोटा राज के कारण उद्योगों और कारोबार के विस्तार के लिए कई तरह की सरकारी



मंजूरियों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसके बाद राष्ट्रीयकरण की नीतियों को भी आजमाया गया। पीएम मोदी ने इन दौरों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने आर्थिक मोर्चे पर कई चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने फ्रैजाइल फाइव का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में रखा जाता था। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण दौर था। हालांकि, बीते 12 वर्षों में देश ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक बदलाव का श्रेय केवल सरकार को देने के बजाय देश के विभिन्न वर्गों की मेहनत को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने देश की आर्थिक स्थिति बदलने में अहम भूमिका निभाई है। पीएम मोदी के संबोधन में उद्योग जगत की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। फिक्की जैसे संगठन भारतीय कारोबार और उद्योगों से जुड़े मुद्दों को सामने रखने तथा सरकार और उद्योग जगत के बीच संवाद का मंच उपलब्ध कराने में भूमिका निभाते हैं। फिक्की का शताब्दी सम्मेलन भारतीय उद्योग जगत के 100 वर्षों के सफर और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

### गरीबी कम होने को पीएम मोदी ने बताया बड़ी उपलब्धि

प्रधानमंत्री ने भारत में गरीबी कम होने को आर्थिक बदलाव का बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देकर करीब 50 करोड़ लोगों का जिक्र किया। उनके मुताबिक, पिछले 12 से 13 वर्षों में करोड़ों परिवारों की स्थिति बदली है। इससे गरीब परिवारों को बेहतर जीवन जीने के नए अवसर मिले हैं।भारत क्रिकेट अपडेट विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट भी इस दिशा में महत्वपूर्ण आंकड़े सामने रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2011 से 2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। यहां विश्व बैंक की 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली गरीबी रेखा इस्तेमाल की गई है। इसलिए इस आंकड़े को अत्यधिक गरीबी के आंकड़े से अलग समझना चाहिए।

अमेरिका में भी वोट चोरी का मुद्दा उठाया

## भारत को गैर-लोकतांत्रिक नहीं बनने देंगे-राहुल गांधी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश की धरती से भारतीय चुनावी व्यवस्था और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमेरिका दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ बातचीत के दौरान मोदी सरकार पर गरजते हुए कहा कि हम भारत को गैर-लोकतांत्रिक नहीं बनने देंगे। हम चुनाव नहीं लड़ेंगे तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। लिहाजा हमें इसे लड़ना ही होगा। प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ बातचीत के दौरान कहा, 'अगर हम विपक्ष के कार्यकर्ताओं से कहें कि



ठीक है, चुनाव मत लड़ो, तो उनका क्या होगा? अगर हम यह कह दें कि हम चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं, तो उसी क्षण भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उन्हें 2014 के चुनाव से ही गड़बड़ी का संदेह होने लगा था।

अजीबो गरीब घटना!

## मुक्तिधाम से बुजुर्ग महिला की अस्थियां चोरी,चिता स्थल पर मिला नारियल और दीया, तीसरी घटना से गांव में दहशत....

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां बुजुर्ग महिला की अस्थियां मुक्तिधाम से चोरी हो गईं। अंतिम संस्कार के दूसरे दिन परिजन चिता स्थल पर पहुंचे तो वहां नारियल, दिया और अगरबत्ती रखे मिले। राख में अस्थियां तलाशने पर वे गायब मिलीं। यह देखकर परिजन हैरान रह गए। उन्होंने थाने में शिकायत कर अस्थियां तलाशने की मांग की है। गांव में इस तरह की तीसरी घटना सामने आने से ग्रामीणों में आक्रोश और दहशत है। दरअसल, गुरुर ब्लॉक के ग्राम खैरवाही निवासी 94 वर्षीय विद्यावती रुखमणी शर्मा का 12 नवंबर की रात 11 बजे निधन हो गया था। 13 नवंबर को दोपहर साढे 12 बजे गांव के मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके अगले दिन 14 नवंबर को शाम को उनके बड़े बेटे बालमुकुंद शर्मा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पूजा करने मुक्तिधाम पहुंचे। वहां चिता स्थल पर नारियल और दिया रखा देखकर वे हैरान रह गए। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन जब चिता की ठंडी हो चुकी राख में अस्थियां तलाशीं तो वे गायब मिलीं। इसके बाद



ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई। गांव में भी जानकारी जुटाई गई, लेकिन अस्थियों के बारे में कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परिजनों ने गुरुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और चोरी हुई अस्थियां तलाश कर वापस दिलाने की मांग की है। दिवंगत विद्यावती रुखमणी शर्मा की पोती का कहना है कि उनकी दादी 94 साल तक सुरक्षित रहीं, लेकिन निधन के बाद अंतिम दो दिनों में परिवार उनकी अस्थियों की सुरक्षा नहीं कर पाया। किसी अज्ञात व्यक्ति ने चिता स्थल पर पूजा-पाठ कर अस्थियां चोरी कर लीं। पोती के मुताबिक, शोकाकुल परिवार के साथ यह किसी मजाक से कम नहीं है। आखिर किसने और किस उद्देश्य से पूजा कर अस्थियां उठाईं? इन अस्थियों का वह क्या करेगा? यही सोचकर पूरा परिवार डरा हुआ है। घटना के बाद से घर में दहशत का माहौल है। दिवंगत विद्यावती रुखमणी शर्मा के मंझले बेटे और सिंचाई विभाग के पूर्व एसडीओ रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने बताया कि उनकी मां बेहद धार्मिक स्वभाव की थीं।

रायपुर जिले से बाहर रहने की शर्त भी हटाई

## अमित को हेट स्पीच के मामले में मिली नियमिंत जमानत.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के संस्थापक एवं जोहार छत्तीसगढ़िया पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित बघेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हेट स्पीच से जुड़े 14 आपराधिक मामलों में उन्हें नियमित जमानत दे दी। इसके साथ ही रायपुर जिले से बाहर रहने की पूर्व निर्धारित शर्त को भी हटा दिया गया है। ये सभी मामले रायपुर के वीआईपी चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के साथ हुई तोड़फोड़ की घटना के विरोध में दिए गए उनके बयान से



संबंधित हैं। इस मामले में इससे पहले बिलासपुर हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल 2026 को अमित बघेल को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी। हालांकि बलौदाबाजार आगजनी कांड से जुड़े अन्य मामलों में न्यायिक हिरासत में होने के कारण उन्हें तत्काल रिहाई नहीं मिल सकी थी। बाद में 22 जुलाई को रायपुर सेंट्रल जेल से उनकी रिहाई हुई थी। हाईकोर्ट से मिली अस्थायी जमानत की अवधि 22 अक्टूबर को समाप्त हो गई थी। इसके बाद अमित बघेल ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 28 अक्टूबर को आदेश दिया था कि अमित बघेल दो सप्ताह के भीतर हेट स्पीच से जुड़े सभी 14 मामलों में संबंधित अदालतों के समक्ष सरेंडर करें।

### अब टोल प्लाजा पर पकड़ी जाएगी बिना बीमा वाली गाड़ी, मोबाइल पर तुरंत आएगा अलर्ट

**नई दिल्ली।** अगर आप अपनी कार या किसी अन्य वाहन का थर्ड-पार्टी बीमा रिन्यू कराना भूल गए हैं, तो अब सावधान हो जाइए। नेशनल हाईवे पर बिना वैध बीमा के वाहन चलाना आपको महंगा पड़ सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने टोल प्लाजा पर ही वाहनों के बीमा की जांच करने के लिए नई तकनीक आधारित व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत बिना वैध बीमा वाले वाहन की पहचान होते ही वाहन मालिक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर अलर्ट मैसेज भेजा जाएगा। साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के तहत जुर्माने की चेतावनी भी दी जाएगी। फिलहाल इस व्यवस्था का परीक्षण दिल्ली के मुंडका टोल प्लाजा पर शुरू किया है।

28 जिलों में हिंसा,565 गिरफ्तार

## ढाका में बम धमाके,मोहम्मद यूनुस के पुश्तैनी घर में आग

नई दिल्ली/ एजेंसी

बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव एक बार फिर हिंसक हो गया है। राजधानी ढाका में गुरुवार तड़के कई स्थानों पर कच्चे बम धमाके हुए, जबकि चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुश्तैनी घर को आग के हवाले कर दिया गया। देश के अलग-अलग हिस्सों में आगजनी, तोड़फोड़ और बम विस्फोट की घटनाओं में कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह हिंसा प्रतिबंधित



अवामी लीग के देशव्यापी 'लॉकडाउन' के आह्वान के बीच हुई। पार्टी की अगुवाई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना कर रही हैं। यह बंद पिछले साल उन्हें सुनाई गई मौत की सजा की बरसी के मौके पर बुलाया गया था। चटगांव के पंचलाइश इलाके में अज्ञात हमलावरों ने मोहम्मद यूनुस के पैतृक घर में आग लगा दी। वहीं, सिलहट, राजशाही, बरिशाल और फरीदपुर में ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी निशाना बनाया गया। हमले आधी रात से लेकर गुरुवार तड़के तक किए गए। बम धमाकों और आगजनी के बाद ढाका में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रमुख फ्लाईओवरों और शहर के प्रवेश-निकास मार्गों पर निगरानी तेज कर वाहनों की तलाशी ली जा रही है। बीडी न्यूज24 के मुताबिक, पुलिस ने 24 घंटे के अभियान में 565 लोगों को गिरफ्तार किया।

पीएफ खाता धारकों की मौज!

# मिनिमम बैलेंस 25 प्रतिशत से घटकर हुआ 10 प्रतिशत

नई दिल्ली/ एजेंसी

एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन बोर्ड ने गुरुवार को प्रोविडेंट फंड अकाउंट में जरूरी मिनिमम बैलेंस की जरूरत को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 10 फीसदी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस कदम से सब्सक्राइबर को अपनी रिटायरमेंट सेविंग्स का ज्यादा एक्सेस मिलेगा। मिनिस्ट्री ने अभी इस फैसेल को अधिसूचित नहीं किया है। मौजूदा नियमों के तहत,ईपीएफओ मेंबर्स को थोड़ा पैसा निकालते समय अपने योग्य पीएफ बैलेंस का कम से कम 25 प्रतिशत अपने अकाउंट में रखना जरूरी है। 10 फीसदी तक की प्रस्तावित कटौती से बचत का हिस्सा 90 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जो लागू निकासी शर्तों के अधीन होगा। 25 फीसदी मिनिमम बैलेंस की जरूरत को बदले हुए ईपीएफ निकासी नियम के तहत शुरू किया गया था ताकि यह पक्का किया जा सके कि सदस्य रिटायरमेंट के लिए अपनी बचत का एक हिस्सा बचाकर रखें और अपने पीएफ फंड पर ब्याज और कंपाउंडिंग का फायदा उठाते रहें। इससे पहले 16 सितंबर को केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा था कि ईपीएफओ सैलरी की लिमिट ?15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति महीना करने से 50 लाख से एक करोड़ नए लाभार्थी को फायदा हो सकता है, क्योंकि इससे ज्यादा से




ज्यादा कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा कवरेज के तहत आ जाएंगे। कैबिनेट के फैसले पर रिएक्शन देते हुए मंडाविया ने कहा था कि हमारा अंदाजा है कि इससे 50 लाख से 1 करोड़ नए लाभार्थी को फायद होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ईपीएफओ के तहत जरूरी कवरेज के लिए सैलरी की लिमिट 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति महीना करने को मंजूरी दी थी। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचती में मनसुख मंडाविया ने कहा कि इससे उन अनगिनत नए कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का फायदा मिलेगा जो अभी ईपीएफओ के कवरेज से बाहर हैं। इस ज्यादा लिमिट से 15,000- 25,000 सैलरी ब्रैकेट में आने वाले ज्यादातर कर्मचारी जरूरी ईपीएफओ कवरेज के अंदर आ गए और प्रोविडेंट फंड सेविंग्स, एम्प्लॉई पेंशन स्कीम के तहत पेंशन प्रोटेक्शन और एम्प्लॉई डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम के तहत इंश्योरेंस प्रोटेक्शन तक उनकी पहुंच बढ़ गई, जो लागू नियमों के तहत है। अभी तक रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी अपने पीएफखाते में जमा पूरी रकम निकाल सकते हैं।

### 50 लाख के पीएफ पर कितना मिलेगा फायदा?

ईपीएफ के अनुमान के मुताबिक, एसडब्ल्यूपी के तहत पैसा निकालने पर बैंक एफडी और कमर्शियल एन्युटी के मुकाबले ज्यादा रकम मिल सकती है। ईपीएफओ के अनुमान के मुताबिक, 50 लाख रुपये के रिटायरमेंट फंड पर अलग-अलग निवेश विकल्पों में मिलने वाला रिटर्न अलग होगा। कमर्शियल एन्युटी में 6 फीसदी ब्याज दर के हिसाब से हर महीने करीब 30,637 रुपये मिलेंगे और 20 साल में कुल 73.5 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं, बैंक खाते में 7 फीसदी ब्याज के हिसाब से हर महीने 32,492 रुपये का भुगतान होगा और 20 साल में कुल 78 लाख रुपये मिलेंगे। जबकि ईपीएफ एसडब्ल्यूपी में 8 फीसदी ब्याज दर के हिसाब से हर महीने करीब 41,822 रुपये मिल सकते हैं। इस तरह 20 साल में कुल भुगतान करीब 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

CMYK

## संक्षिप्त समाचार



### राम मंदिर घाट पर नवयुवक दुर्गा पूजा संघ ने स्थापित की सात घोड़ों पर सवार सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा

**रामानुजगंज।** लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रामानुजगंज के राम मंदिर घाट में नवयुवक दुर्गा पूजा संघ द्वारा विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। कई दशकों से राम मंदिर घाट पर छठ पर्व के दौरान प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभा रही समिति ने इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां कीं। इस अवसर पर समिति द्वारा सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्यदेव की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कराई गई। नगर के विद्वान पंडित धनंजय मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना संपन्न कराई। प्रतिमा स्थापना के साथ ही राम मंदिर घाट का वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजा-अर्चना से पूर्व नवयुवक दुर्गा पूजा संघ के सदस्यों आलोक गुप्ता, अमित जायसवाल, जितेश केसरी, मुकेश केसरी एवं राबिन गुप्ता सहित अन्य लोगों ने भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं नगरवासियों की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि नवयुवक दुर्गा पूजा संघ द्वारा वर्षों से राम मंदिर घाट पर छठ महापर्व के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। घाट की लाइटिंग, सजावट एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के माध्यम से समिति पर्व को व्यवस्थित और भक्तिमय बनाने में अपना योगदान देती आ रही है।



### वाहन चोरों के विरुद्ध सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई,एक शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

**सारंगढ़-बिलाईगढ़।** जिले के पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल एवं एसडीओपी सारंगढ़ गोविन्द दीवान के नेतृत्व में जिले में हो रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम द्वारा वाहन चोरी के मामले में आरोपी अनिल पटेल, निवासी ग्राम कुम्हारी, थाना बरमकेला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न स्थानों से चोरी की गई कुल 08 मोटरसाइकिलें, अनुमानित कीमत 2,15,000/- बरामद कर जब्त की गई हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बेचने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग कर उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। इसके बाद इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चोरी की मोटरसाइकिलों को कम कीमत पर बेच देता था। आरोपी द्वारा अपनाए जा रहे इस तरीके से वाहन चोरी एवं फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।



### वार्ड निरीक्षण के लिए महापौर पहुँचे बसंतपुर एवं लालबाग, रेलिंग एवं उद्यान जीर्णोद्धार के दिये निर्देश

**राजनांदगांव।** सफाई में गुणात्मक सुधार लाने महापौर मधुसूदन यादव एवं आयुक्त जी.आर. मरकाम वार्डों में जाकर वार्डवासियो से अवगत हो सुधार की दिशा मे कार्य करने कर्मचारियो को निर्देशित कर रहे है। वही उनके द्वारा निर्माण कार्यों का जायजा लेने के साथ साथ अन्य समस्या का निराकरण करने भी दिशा निर्देश दिया जा रहा है। इसी कडी में आज महापौर यादव आयुक्त मरकाम के साथ बसंतपुर एवं लाल बाग क्षेत्र में सफाई निरीक्षण कर वार्डवासियो की विकास संबंधी मांग पर कार्य करने अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनिल साहू, राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य राजा माखीजा, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव की विशेष उपस्थिति रही। महापौर यादव आयुक्त, तहसीलदार नाग व निगम पदाधिकारियो के साथ जोगी नगर पहुच नागरिको से मुलाकात किये। जोगी नगर वासियो के द्वारा पट्टा की मांग पर उन्होंने कहा कि शासन नियमानुसार पट्टा दिया जाता है। सर्वे कर पात्र लोगो को पट्टा वितरण किया जाएगा।



### आंवले के वृक्षों के नीचे उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पूजा-अर्चना कर की सुख-समृद्धि की कामना

**रामानुजगंज।** आंवला नवमी के पावन अवसर पर बुधवार को रामानुजगंज नगर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही आंवले के वृक्षों के नीचे पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित मां महामाया मंदिर परिसर एवं पहाड़ी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आंवले के वृक्ष की पूजा करने पहुंचे। इस अवसर पर महिलाओं सहित अन्य श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना की। इसके बाद वृक्ष की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने आंवले के वृक्ष के नीचे बैठकर धार्मिक कथा का श्रवण किया तथा पूजा-अर्चना के पश्चात वहीं भोजन ग्रहण किया। इस दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित आंवले के वृक्षों के नीचे भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और परंपरानुसार पूजा-अर्चना की। मां महामाया मंदिर के पुजारी जितेंद्र पांडे एवं पहाड़ी मंदिर के पुजारी पवन पांडे ने आंवला नवमी के धार्मिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा कर वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, कथा सुनते हैं और वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा करने से परिवार में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है। आंवला नवमी के अवसर पर पूरे नगर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह और आस्था का वातावरण बना रहा।

# पूर्व सलाहकार प्रदीप शर्मा ने उठाए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल, अंकित गौरहा बोले ब्राह्मण समाज को उसका अधिकार नहीं मिला तो होगा उग्र आंदोलन

**बिलासपुर।** बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। छत्तीसगढ़ ब्राह्मण समाज के बहुउद्देशीय भवन के लिए तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में आवंटित जमीन पर आज तक समाज को वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया है। हैरानी की बात यह है कि समाज ने जमीन की निर्धारित कीमत चुकाई, विधिवत रजिस्ट्री कराई और राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज हो गई, लेकिन इसके बावजूद सीमांकन और कब्जा सौंपने की प्रक्रिया अधूरी है। प्रस्तावित भवन निर्माण का सपना वर्षों से फाइलों में अटका हुआ है। मामले ने उस समय फिर तूल पकड़ लिया जब जमीन पर दोबारा अतिक्रमण की आशंका सामने आई। सवाल यह है कि जब जमीन समाज के नाम पर दर्ज है और पहले भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

, तो आखिर अब तक सीमांकन



### प्रदीप शर्मा ने पूछा—दस्तावेज पूरे तो कब्जा देने में देरी क्यों?

तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे प्रदीप शर्मा ने इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को यह जमीन काफी प्रयासों के बाद शासन की विधिवत प्रक्रिया के तहत मिली थी। समाज ने इसकी कीमत चुकाई, रजिस्ट्री कराई और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए। राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज है। इसके बावजूद समाज को अपनी ही जमीन का कब्जा नहीं मिलना समझ से परे है। उन्होंने बताया कि जमीन पर पहले भी अतिक्रमण था, जिसे तत्कालीन शासन-प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर हटाया गया था। इसके बाद सीमांकन कराकर जमीन समाज को सौंपने की प्रक्रिया पूरी होनी थी, लेकिन यह काम अधूरा रह गया। प्रदीप शर्मा ने सवाल उठाया कि जब प्रशासन पहले अतिक्रमण हटा चुका था, तब उसी समय सीमांकन कराकर समाज को कब्जा क्यों नहीं दिया गया? अब दोबारा अतिक्रमण की आशंका क्यों उत्पन्न हो रही है? उन्होंने मांग की कि जमीन की वर्तमान स्थिति की जांच कराई जाए और यह भी पता लगाया जाए कि यदि दोबारा कब्जे की कोशिश हो रही है तो इसके पीछे कौन लोग हैं।

### प्रशासन से तत्काल सीमांकन और कब्जा सौंपने की मांग

अंकित गौरहा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आवंटित दो एकड़ जमीन का तत्काल सीमांकन कराया जाए। राजस्व अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति का मिलान कराकर यदि कहीं अतिक्रमण पाया जाता है तो उसे नियमानुसार हटाया जाए। इसके बाद जमीन का विधिवत कब्जा ब्राह्मण समाज को सौंपा जाए और प्रस्तावित बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए समय-सीमा निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि समाज की जमीन को सुरक्षित रखना और उसके उपयोग का अधिकार सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस मामले में अब और देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

### जमीन दलालों की मनमानी पर अंकित गौरहा ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेता एवं युवा विप्र खारंग परिक्षेत्र के अध्यक्ष अंकित गौरहा ने मामले में स्थानीय भाजपा विधायक और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब जमीन समाज के नाम पर विधिवत दर्ज है, उसकी कीमत समाज चुका चुका है और रजिस्ट्री भी हो चुकी है, तो फिर समाज को अपने अधिकार के लिए वर्षों से इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? गौरहा ने कहा कि बेलतरा क्षेत्र में जमीन से जुड़े मामलों में आम लोगों और सामाजिक संस्थाओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का मामला प्रशासनिक उदासीनता का गंभीर उदाहरण है।

### मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

युवा विप्र खारंग परिक्षेत्र के अध्यक्ष अंकित गौरहा ने स्पष्ट कहा कि यदि शासन-प्रशासन ने समाज की मांग को गंभीरता से नहीं लिया और शीघ्र सीमांकन कराकर जमीन का कब्जा नहीं सौंपा, तो वे समाज के लोगों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों से मुलाकात कर आगे की कार्रवाई करेंगे। इसके बावजूद समाधान नहीं निकला तो समाज के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदीप शर्मा ने भी स्पष्ट किया कि जमीन पर दोबारा अतिक्रमण की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराकर समाज को उसका अधिकार नहीं दिया गया तो समाज आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा।

### अब प्रशासन को देना होगा जवाब

ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का यह मामला अब केवल बहुउद्देशीय भवन के निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है। यह सवाल बन गया है कि कीमत चुकाने, रजिस्ट्री कराने और सरकारी रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने के बावजूद किसी सामाजिक संस्था को अपनी जमीन का वास्तविक कब्जा पाने के लिए वर्षों तक इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? अब निगाहें जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर हैं। समाज को आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन का सीमांकन, अतिक्रमण से मुक्ति और विधिवत कब्जा चाहिए। देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक ठोस कार्रवाई करता है।

# कचहरी चौक में गरजीं तीन हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं, सरकार को दी सत्ता परिवर्तन की चेतावनी

**नियमितीकरण और 30 हजार रुपये मानदेय की मांग पर अड़ीं प्रदर्शनकारी**

**जांजगीर-चांपा।** अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कचहरी चौक में चल रहा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन अब सरकार के खिलाफखुली नाराजगी में तब्दील हो गया है। छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका कल्याण संघ के बैनर तले जुटीं तीन हजार से अधिक कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने शासन के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को भी निशाने पर लेते हुए गहरा रोष व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ विभागीय योजनाओं को जमीनी स्तर



पर सफल बना रही हैं, लेकिन उनकी जायज मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कम मानदेय में लगातार बढ़ते कामकाज और अतिरिक्त जिम्मेदारियों को लेकर उनमें भारी आक्रोश है। आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों के तेवर उस वक्त और तीखे हो गए, जब उन्होंने राज्य सरकार को सीधे सत्ता परिवर्तन की चेतावनी दे डाली। कार्यकर्ताओं ने पूर्ववर्ती सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह पिछले शासन को सत्ता से बाहर होना पड़ा था, उसी तरह यदि वर्तमान सरकार ने भी उनकी मांगों को नजरअंदाज किया तो उसे भी सत्ता से हाथ धोना पड़ सकता है। संघ की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, 30 हजार रुपये मासिक मानदेय, रिक्त पर्यवेक्षक पदों पर 50 प्रतिशत पदोन्नति, सहायिकाओं को शत-प्रतिशत कार्यकर्ता पद पर पदोन्नति और सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि शामिल है। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद भी यदि सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया जाएगा।

# जिले के सभी थाना प्रभारियों की पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने ली समीक्षा बैठक



**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, लंबे समय से लंबित आपराधिक एवं मर्ग प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा आम नागरिकों को समय पर न्याय दिलाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल के नेतृत्व में जिला पुलिस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के समस्त थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने 'वन-टू-वन' चर्चा करते हुए सभी थाना प्रभारियों से उनके थानों के कामकाज का अद्यतन लिया और लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। साथ ही, जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी सुनील शर्मा ने सभी थानों में लंबे समय से लंबित पड़े आपराधिक मामलों तथा मर्ग डायरी के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामलों के विलंब व तकनीकी कमियों की वजह से आम जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिले में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए पुलिस महकमे को कड़े निर्देश दिए गए हैं। अवैध शराब की बिक्री और परिवहन में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

# एनीकट के गेट में फंसी युवती, शिवनारायण सिंह ने पानी में कूदकर बचाई जान

- **रामानुजगंज में नहाने के दौरान हुआ हादसा, समय रहते मदद मिलने से टली बड़ी अनहोनी**

**रामानुजगंज।** नगर में दोपहर करीब 1 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एनीकट में नहा रही करीब 18 से 20 वर्ष की छह युवतियों में से एक अचानक पानी के बहाव के बीच एनीकट के गेट में जाकर फंस गई।

युवती को फंसा देख उसकी सहेलियां घबरा गईं और मदद के लिए चिल्लाने लगीं। इसी दौरान वहां से गुजर रहे शिवनारायण सिंह की नजर युवतियों पर पड़ी। शोर सुनकर उन्होंने तत्काल स्थिति को समझा और बिना देर किए पानी में छलांग लगा दी। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद एनीकट के गेट में फंसी युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि शिवनारायण सिंह ने समय रहते तत्परता नहीं दिखाई



होती और बचाव में थोड़ी भी देर हो जाती तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। उनकी सूझबूझ और साहस के कारण युवती की जान बच गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने शिवनारायण सिंह के साहस और तत्परता की सराहना की। इस घटना ने एक बार फिर एनीकट जैसे जलाशयों में नहाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी और सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को सामने ला दिया है।

### मानव नवनिर्माण संस्थान् ने वृद्धाश्रम में 26वाँ राज्योत्सव मनाया

**राजनांदगांव।** प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था मानव नवनिर्माण संस्थान् ने 26वाँ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच मनाया। यह संस्थान के प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'वृद्धजन सम्मिलन' का हिस्सा था।

''मानस'' संस्थान् द्वारा अपने संकल्पित लक्ष्य 'सतत् वृद्धजन सम्मिलन' कार्यक्रम के अंतर्गत ''छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026'' राज्य निर्माण के प्रत्यक्ष प्रमाण रहे समाज के वृद्धजनों और वरिष्ठजनों के बीच उपस्थित होकर मनाया।

इस अवसर पर हमेशा की तरह ''मानस परिवार'' के सभी सदस्य उपस्थित हुए।

आयोजन का उद्धेश्य वर्तमान परिवेश में समाज का वरिष्ठजनों स्थिति के प्रति आदर और स्नेह का प्रकट करना, साथ ही उनके भीतर वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण को समझना था। वृद्धाश्रम में ज्यादातर महिलाएँ हैं।

# बाल दिवस पर जिला यातायात पुलिस की विशेष पहल : श्री श्याम वर्ल्ड स्कूल में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम




**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** नाबालिगों को वाहन न देने की अभिभावकों से अपील, नियम उल्लंघन पर धारा 199 के तहत होगी वैधानिक कार्रवाई। अनजान लिंक पर क्लिक न करें व साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की यातायात पुलिस टीम द्वारा आज श्री श्याम वर्ल्ड स्कूल, बिलाईगढ़ में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों, साइबर अपराधों से बचाव और देश के नवीन कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

**अभिभावकों के लिए विशेष संदेश**

यातायात सेल ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को कभी भी वाहन चलाने के लिए न दें। साथ ही, बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट उपयोग पर उचित निगरानी रखें तथा स्वयं भी यातायात नियमों का पालन कर बच्चों के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने पर मोटर यान अधिनियम की धारा 199 के तहत सीधे अभिभावक अथवा वाहन स्वामी के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है।

### यातायात नियमों के साथ साइबर जागरूकता संबंधी जानकारी :

डिजिटल युग के खतरों से बच्चों को बचाने के लिए साइबर जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया। यातायात टीम ने बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में समझाया। उन्हें किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, फर्जी कॉल से सावधान रहने तथा अपना ओटीपी और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या साइबर धोखाधड़ी होने पर बिना घबराए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

**रामानुजगंज के सात घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़**

# उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन

- **राम मंदिर घाट पर हजारों व्रतियों ने की सूर्य उपासना, नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने पत्नी के साथ सभी घाटों पर पहुंचकर लिया आशीर्वाद**

**रामानुजगंज।** सूर्य उपासना के महापर्व छठ की अद्भुत छटा रामानुजगंज नगर में देखने को मिली। चार दिनों तक चलने वाले इस आस्था और लोक संस्कृति के महापर्व का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हुआ। इस दौरान नगर के सात अलग-अलग घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घाटों पर छठी मईया के



पारंपरिक गीतों के बीच भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। नगर में इस वर्ष सात घाटों पर व्रतियों ने विधि-विधान से छठ पूजा की। इनमें राम मंदिर घाट और शिव मंदिर घाट प्रमुख रहे। राम मंदिर घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं, नगर के सभी सात घाटों पर एक हजार से अधिक व्रती पूरी रात नदी में रहकर सूर्य उपासना करते रहे। व्रतियों की अटूट आस्था के आगे ठंड का असर भी फीका नजर आया। छठ महापर्व के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ नगर के सभी छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने विभिन्न घाटों पर मत्था टेककर छठी मईया का आशीर्वाद लिया तथा व्रतियों और श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर पर्व की खुशियां साझा कीं। राम मंदिर घाट पर सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्य की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई थी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

### आयोजन की खास झलकियां

– 2 हजार से अधिक व्रती : नगर के सातों घाटों पर 2 हजार से अधिक ने व्रत किया एक हजार से अधिक व्रती पूरी रात नदी में रहकर भगवान सूर्य की उपासना करते रहे।

– 400 से अधिक दुकानें : राम मंदिर घाट पर पूजा सामग्री, फल, प्रसाद और अन्य जरूरी सामानों की 400 से अधिक छोटी-बड़ी दुकानें सजीं। सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा : सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्य की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। सभी घाटों पर पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष : रमन अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ सभी छठ घाटों पर पहुंचे और मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। राम मंदिर घाट की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी नवयुवक दुर्गा पूजा संघ के सदस्यों ने संभाली।

## संक्षिप्त समाचार

### धान खरीदी के पहले ही दिन अभनपुर क्षेत्र के बिरोदा गांव में केंद्र बदलने के फैसले ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी

**रायपुर।** धान खरीदी शुरू होने के पहले ही दिन अभनपुर क्षेत्र के बिरोदा गांव में केंद्र बदलने के फैसले ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी। जिस केंद्र को तैयार करने के लिए किसानों ने खुद श्रम और पैसा लगाया, वहां रविवार सुबह धान लेकर पहुंचे तो पता चला कि खरीदी केंद्र रातोंरात बकतरा स्थानांतरित कर दिया गया है। अचानक हुए इस फैसले से नाराज किसानों ने दूसरे केंद्र में धान बेचने से इन्कार कर दिया है। उनकी मांग है कि बिरोदा में ही खरीदी शुरू की जाए। किसानों के मुताबिक, पहले बकतरा में खरीदी केंद्र खोलने की बात हुई थी, लेकिन वहां जगह की समस्या के कारण बिरोदा में केंद्र बनाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद गांव के करीब 300 से 400 किसानों ने मिलकर मैदान तैयार किया और खरीदी के लिए जरूरी व्यवस्थाएं जुटाईं। किसानों का आरोप है कि रविवार रात करीब 12 बजे केंद्र को फिर बकतरा स्थानांतरित करने का फैसला कर लिया गया, लेकिन इसकी पूर्व सूचना किसी को नहीं दी गई। सुबह धान लेकर पहुंचे किसानों को पूछताछ के बाद इस बदलाव की जानकारी मिली। किसानों का कहना है कि बकतरा तक धान ले जाने में परिवहन खर्च बढ़ेगा। रास्ता खराब है और बीच में नहर पार करनी पड़ती है। शाम को धान लेकर लौटने के दौरान दुर्घटना का खतरा भी बना रहेगा। ऐसे में बिना पूर्व सूचना केंद्र बदलने से किसानों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। मामले में एसडीएम का कहना है कि बिरोदा में खरीदी केंद्र बनाने का निर्णय जमीन विवाद के कारण लिया गया था। बाद में विवाद सुलझने पर बकतरा में केंद्र संचालित करने का फैसला किया गया। हालांकि, किसानों का सवाल है कि जब बिरोदा में उनकी मेहनत से खरीदी की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं तो उन्हें विश्वास में लिए बिना केंद्र क्यों बदल दिया गया? फिलहाल किसान अपनी मांग पर अड़े हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि बिरोदा में खरीदी शुरू नहीं हुई तो वे बकतरा केंद्र में धान नहीं बेचेंगे।

### अर्नब, मुरासु के बाद अब साइक्लोन अकवान, छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे ठंड महसूस होने लगी है। सुबह और रात के वक्त लोग गर्म कपड़े और अलाव का सहारा ले रहे हैं, इस बीच मौसम का मिजाज फिर बदलने वाला है। ठंड के बीच बारिश के संकेत हैं. फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन 4 दिनों के बाद बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में 25 दिन से कम समय में तीसरा तूफान की दस्तक होने जा रही है। रविवार को बना वायुमंडलीय डिप्रेशन आज चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। वहीं 17 नवंबर को यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है, जिसे संभावित नाम अकवान दिया जा सकता है। अनुमान है कि इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के दक्षिणी और उत्तरी भीगने की संभावना है। संभावित साइक्लोन अकवान के प्रभाव से दक्षिणी छत्तीसगढ़ में 19 नवंबर से बारिश हो सकती है। 19-21 नवंबर के दौरान प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी. वहीं 20 नवंबर को दक्षिणी, जबकि 21 नवंबर को उत्तरी इलाके में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा में भी बारिश को लेकर आशंका जताई गई है। यहां 18 नवंबर से बारिश का दौर देखने को मिलेगा। 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ भारी बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए ओडिशा सरकार ने राज्य के सभी जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक, रायपुर में भी आसमान साफ रहने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 15 नवंबर, रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया. प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। आने वाले चार दिनों के दौरान तापमान में किसी खास बदलाव के असर नहीं हैं। हालांकि रविवार को देर रात बस्तर संभाग में हल्की बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट किया था.

### रायपुर में चोरी, मारपीट, जुआ और नशीले पदार्थ की तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, वाहन चोरी, जुआ और प्रतिबंधित मादक पदार्थ से जुड़े मामले सामने आए हैं। पुलिस ने इन मामलों में अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। आमानाका थाना क्षेत्र के महोबा बाजार स्थित गैलेक्सी फूड सेंटर में 15 नवंबर को तीन अज्ञात व्यक्ति खाना खाने पहुंचे थे। खाना खाने के बाद पैसे देने की बात पर उनका दुकानदार रूखसार अहमद से विवाद हो गया। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर उन्हें चोट पहुंचाई। शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(2), 115(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है।

### मुख्यमंत्री निवास में दीपावली मिलन समारोह बना आत्मीयता और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम

# समाज के हर वर्ग की सहभागिता से साकार होगा विकसित छग का संकल्प

- शिक्षा, सेवा, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक जागरण और आर्थिक क्षेत्र से जुड़े संगठनों की रही गरिमामयी उपस्थिति
- मुख्यमंत्री ने एक-एक टेबल पर पहुंचकर अतिथियों का जाना हालचाल, उनके अनुभव सुने और दीपावली की शुभकामनाएं दीं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नवा रायपुर स्थित निवास में आज आयोजित दीपावली मिलन समारोह सामाजिक समरसता, आत्मीयता, सेवा भावना और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम बना। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पद्मश्री सम्मानित विभूतियों, विभिन्न समाजों के वरिष्ठजनों, लोकतंत्र सेनानियों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं तथा शिक्षा, सेवा, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक जागरण, सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र में सक्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष स्वरूप प्रदान किया। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह केवल शुभकामनाओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह समाज के विभिन्न क्षेत्रों में दशकों से समर्पित भाव से कार्य कर रहे लोगों के सम्मान, उनके अनुभवों को साझा करने और सामाजिक संबंधों को नई ऊर्जा देने का यादगार अवसर बना। समारोह में छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक गौरव, सेवा भावना और आपसी सद्भाव की सुंदर झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। वे स्वयं एक-एक टेबल पर पहुंचे और लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका हालचाल



जाना। उन्होंने वरिष्ठजनों के अनुभव सुने, विभिन्न संगठनों की गतिविधियों की जानकारी ली और समाज के लिए किए जा रहे उनके कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री के सहज, सरल और आत्मीय व्यवहार ने समारोह को औपचारिक आयोजन से आगे बढ़कर अपनत्व और पारिवारिक मिलन का स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली का पर्व केवल प्रकाश और उल्लास का उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों से मिलना और उनके अनुभवों को जानना सदैव प्रेरणादायक होता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी शक्ति यहां के लोगों की सरलता, आत्मीयता, सामाजिक एकता और सेवा भावना है। समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है। दीपावली मिलन समारोह में जैन समाज, वैष्णव समाज, छत्तीसगढ़िया सोनार समाज सहित विभिन्न समाजों के वरिष्ठजनों और प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात की। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी विविधता में एकता और सामाजिक सद्भाव की समृद्ध परंपरा से है। विभिन्न समाजों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, परंपराएं और जीवन मूल्य हैं, जो मिलकर छत्तीसगढ़ की साझा संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों का अनुभव और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के लिए अमूल्य है। सामाजिक संगठनों की सकारात्मक भूमिका से आपसी सहयोग, सद्भाव और जनसेवा की भावना को नई मजबूती मिलती है।

# मतदाता सूची में नाम जुड़वाने अब 20 नवंबर तक मौका.....

- विधानसभा वोटर लिस्ट में नाम है, लेकिन निकाय की सूची में नहीं तो आवेदन करें

रायपुर। संवाददाता

नगरीय निकायों में दिसंबर 2026 में होने वाले आम और उपचुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और दावा-आपत्तियों के निराकरण के लिए नई समय-सारणी जारी की है। नई समय-सारणी के अनुसार दावा-आपत्तियों का निराकरण 19 नवंबर तक किया जाएगा। वहीं, विधानसभा की मतदाता सूची में नाम दर्ज करा चुके पात्र मतदाता नगर निकाय की सूची में नाम जुड़वाने के लिए 20 नवंबर तक आवेदन कर सकेंगे। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों की मतदाता सूची 1 अक्टूबर 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार की जा रही है। पहले जारी कार्यक्रम में आंशिक बदलाव करते हुए आयोग ने दूसरे चरण की तारीखों में संशोधन किया है। कलेक्टर-जिला निर्वाचन अधिकारी के 12 नवंबर को भेजे गए पत्र पर विचार करने के बाद आयोग ने 13 नवंबर को संशोधित आदेश जारी किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची पर मिले दावे और आपत्तियों का निराकरण 19 नवंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 20 नवंबर तक नाम जोड़ने के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। इसके लिए प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के सामने आवेदन करना होगा। इसका मौका उन मतदाताओं को दिया गया है, जिनका नाम विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन नगर निकाय की सूची में शामिल नहीं हो पाया है। ऐसे पात्र मतदाता तय प्रारूप में जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं।

### अधेड़ की संदिग्ध मौत, महिला दुकानदार पर हत्या का आरोप थाने में हंगामा

**रायपुर।** शहर के मिनीमाता चौक में एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने एक महिला दुकानदार पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में कोतवाली थाना पहुंच गए और महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम रेंगाखार निवासी शिव कुमार वाचकर किसी काम से कवर्धा आया था। इस दौरान मिनीमाता चौक स्थित एक महिला की दुकान में सामान खरीदने को लेकर उसका महिला से विवाद हो गया। परिजनों का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर महिला ने प्लास्टिक की कुर्सी से उस पर हमला कर दिया।

### ऑनलाइन व ऑफ लाइन टोकन की व्यवस्था की मांग

# कट्टा भराई के नाम किसानों से राशि लेना व्यवस्था की लापरवाही का नतीजा-विनोद

रायपुर। संवाददाता



समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के दूसरे दिन आज पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर सिरपुर, लहंगर व अचानकपुर के धान खरीदी केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने किसानों से चर्चा कर धान बेचने में आ रही समस्याओं से अवगत हुए तथा उनके समाधान के लिए खरीदी केंद्रों के प्रभारियों को आवश्यक पहल करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान उनके साथ किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मानिक साहू, कांग्रेस नेता दिलीप जैन, थनवार यादव, शंकर पटेल, दिलीप चंद्राकर, खोरबाहरा ध्रुव, गजाधर धीवर, केशव चौधरी, राधेलाल सिन्हा, मोहन सिन्हा, ऋषि चौधरी उपस्थित थे। सभी समितियों में यह जानकारी मिली कि किसानों से कट्टा भराई के नाम पर 3-4 रुपये लिया जा रहा है। जिस पर श्री चंद्राकर ने कहा कि भराई व तौलाई की राशि शासन द्वारा प्रदान की जाती है। किसानों से राशि लेने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने तत्काल इस संबंध में कलेक्टर से दूरभाष पर चर्चा कर समितियों में बोरी भराई के नाम पर राशि लेने की जानकारी दी। जिस पर कलेक्टर ने भी स्पष्ट किया कि किसानों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लेना है। इसके बाद भी खरीदी केंद्रों पर किसानों से वसूली होना व्यवस्था की लापरवाही और निगरानी की कमी को उजागर करता है। श्री चंद्राकर ने कहा कि ऑनलाइन टोकन कटाने में आ रही दिक्कतों से किसान परेशान हो रहे हैं। शासन द्वारा 70 प्रतिशत ऑनलाइन और 30 प्रतिशत ऑफ्लाइन टोकन के नियम बनाए गए हैं, जो अव्यवहारिक हैं। सर्वर डाउन, इंटरनेट की समस्या और ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी जानकारी की कमी के कारण किसान समय पर टोकन नहीं कटा पा रहे हैं। शासन को 50 प्रतिशत ऑनलाइन व 50 प्रतिशत ऑफ्लाइन टोकन कटाने का नियम बनाना चाहिए।

# 61 करोड़ की संपत्ति कुर्की के खिलाफ चैतन्य बघेल पहुंचे अपीलेट ट्रिब्यूनल...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को दिल्ली स्थित अपीलेट ट्रिब्यूनल में चुनौती दी है। ईडी ने चैतन्य बघेल से जुड़ी करीब 61 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है। मामले में ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के बाद ईडी को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अब अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। चैतन्य बघेल के वकील हर्षवर्धन परगनिहा के मुताबिक, संपत्ति कुर्की से जुड़ा मामला पिछले दो महीने से ट्रिब्यूनल में लंबित है। चैतन्य ने ईडी के कुर्की आदेश के खिलाफ पहले ही अपील दायर कर दी थी। ट्रिब्यूनल ने ईडी को जवाब पेश करने के लिए दो अवसर दिए, लेकिन अब तक एजेंसी की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इसी बीच दीपावली अवकाश के दौरान शनिवार को ईडी ने दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित वि-ल कॉलोनी के 355 प्लॉटों पर कुर्की की कार्रवाई की। कॉलोनी में कुल 385 प्लॉट हैं, जिनमें से 30 प्लॉट पहले ही आम खरीदारों को बेचे जा चुके हैं। ईडी का आरोप है कि शराब सिंडिकेट से अर्जित अवैध धन का निवेश रियल एस्टेट में किया गया था। चैतन्य की ओर से इस कार्रवाई के खिलाफ तत्काल सुनवाई का आवेदन लगाया गया था। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए 3 से 4 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा, लेकिन ट्रिब्यूनल ने इससे इनकार कर दिया। अब मामले की सुनवाई 23 नवंबर को होगी। बताया गया है कि पिछली दो सुनवाइयों में भी ईडी की ओर से कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ था। वहीं, ईडी के सूत्रों के मुताबिक मामले को दिल्ली स्थित कार्यालय देख रहा है। ट्रिब्यूनल ने मांगी गई जानकारियां भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। ईडी ने पीएमएलए की धारा 5 के तहत अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। इसके बाद धारा 5(5) के तहत 30 दिनों के भीतर निर्णायक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दाखिल करना जरूरी होता है। संबंधित पक्ष को धारा 8 के तहत अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। कुर्की की पुष्टि होने पर धारा 26 के तहत 45 दिनों के भीतर अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपील की जा सकती है। फिलहाल चैतन्य बघेल की अपील और ईडी की ताजा कार्रवाई पर 23 नवंबर को होने वाली सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

### धान खरीदी में गड़बड़ी की आशंका पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो गांवों से 457 कट्टा धान जब्त

**रायपुर।** समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही धमतरी जिले में अवैध धान के भंडारण और उपार्जन केंद्रों में अनधिकृत धान खपाने की आशंका पर जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम घुटकेल और उमरगांव में कार्रवाई करते हुए कुल 457 बोरा धान जब्त किया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध धान भंडारण करने वालों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम घुटकेल में जांच के दौरान एक मकान में 147 बोरा धान रखा मिला। प्रारंभिक जांच में पता चला कि संतोष खंडेलवाल ने अपने ड्राइवर के घर में यह धान रखवाया था। आगामी धान खरीदी के दौरान इसे उपार्जन केंद्र में खपाने की आशंका जताई गई है। भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संयुक्त टीम ने धान जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया। इसी तरह ग्राम उमरगांव में तोषण कुमार साहू के गोदाम की जांच के दौरान 310 कट्टा धान रखा मिला। दस्तावेजों की जांच के बाद टीम ने गोदाम में संग्रहित पूरे धान को जब्त कर लिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचाने और व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

# घर के पास धान खरीदी केंद्र खुलने से किसानों को मिली बड़ी राहत



- मकरंदीपुर के किसान रविशंकर देवांगन अब गांव में ही बेच रहे समर्थन मूल्य पर धान
- तुंहर हाथ ऐप से घर बैठे टोकन, समय और परिवहन की परेशानी हुई कम

रायपुर/ संवाददाता

विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से हो चुकी है। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में खरीदी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही, किसानों को दूरस्थ केंद्रों तक जाने की परेशानी से बचाने के लिए नए उपार्जन केंद्र भी शुरू किए जा रहे हैं। सूरजपुर जिले के मकरंदीपुर में खुला नया केंद्र किसानों के लिए राहत का माध्यम बना है। मकरंदीपुर (तिवरागुड़ी) के किसान श्री रविशंकर देवांगन, पिता श्री रामगोपाल देवांगन, पहले उमापुर खरीदी केंद्र में धान बेचते थे। वहां तक उपज ले जाने में उन्हें परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब उनके गांव में ही नया धान उपार्जन केंद्र शुरू हो गया है। उनका घर केंद्र से लगभग 300 से 350 मीटर की दूरी पर है, जिससे वे आसानी से धान पहुंचाकर बेच पा रहे हैं। श्री देवांगन बताते हैं कि केंद्र में दो-तीन गांवों के किसानों का ही धान खरीदा जाएगा। इससे भीड़ कम रहने और खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित होने की उम्मीद है। उन्होंने तुंहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं टोकन काटा। केंद्र में तौल सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे धान बेचने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। गांव के पास ही खरीदी केंद्र खुलने से श्री देवांगन का समय और परिवहन खर्च दोनों बच रहे हैं। उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। सूरजपुर जिले में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में धान खरीदी को सुगम और व्यवस्थित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मकरंदीपुर के किसान का अनुभव दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर खरीदी केंद्रों की सुविधा किसानों के लिए धान विक्रय की प्रक्रिया को सरल बना रही है।

### नवा रायपुर के लखौली में एनसीसी प्रशिक्षण कैंप में शामिल हुए वित्त मंत्री

# कैडेटों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की दी प्रेरणा-चौधरी

- एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम : वित्तमंत्री

रायपुर/ संवाददाता



वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि युवा शक्ति ही छत्तीसगढ़ और देश के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी आधारशिला है। युवाओं में अनुशासन, एकाग्रता, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका है। एनसीसी का प्रशिक्षण युवाओं को केवल सैन्य सेवाओं के लिए ही तैयार नहीं करता, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमता भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। ऐसे समय में युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना, उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाना तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। वित्त मंत्री श्री चौधरी आज नवा रायपुर के लखौली में आयोजित एनसीसी प्रशिक्षण कैंप में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए एनसीसी कैडेटों से संवाद कर उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी प्रतिभा का उपयोग देश और समाज के विकास में करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कैडेटों के उत्साह, समर्पण और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ब्रिगेडियर श्री साईं प्रसाद, कर्नल श्री रमेश सहित एनसीसी के अधिकारी, प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में कैडेट उपस्थित थे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने एनसीसी प्रशिक्षण संस्थान के विकास को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस संस्थान को देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि संस्थान में बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं, आधुनिक संसाधनों और आवश्यक अधोसंरचना के विकास के लिए जो भी जरूरतें होंगी, उनका आकलन कर आगामी बजट में समुचित प्रावधान करने का प्रयास किया जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि एनसीसी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से संस्थान की आवश्यकताओं का विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा, ताकि संबंधित विभाग के माध्यम से बजट में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से लखौली का एनसीसी प्रशिक्षण संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकेगा।

# संपादकीय

## आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने मेडिकल रिसर्च को किया आसान

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के अनुसार, अगले एक दशक में कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियों को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। पहले यह दावा असंभव लगता था, लेकिन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) ने मेडिकल रिसर्च को जो अभूतपूर्व गति दी है, उससे अब इस लक्ष्य को हासिल करने की एक नई और मजबूत उम्मीद जगी है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का दावा है कि कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियां अगले एक दशक में अतीत की बातें हो सकती हैं। कुछ साल पहले अगर यह बात कही गई होती, तो यकीन करना मुश्किल हो जाता। लेकिन, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने जिस तरह मेडिकल रिसर्च को रफ्तार दी है, उससे डारियो का बयान उम्मीद जगाता है। काम आसान हुआ। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की ताकत है बहुत सारे आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण। पहले डेटा के ढेर में से जो नतीजे हासिल करने में महीनों और बरसों लगते थे, वह काम अब घंटों और दिन में सिमट गया है। गूगल डीपमाइंड का अल्फाफोल्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसने प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में सफलता हासिल की, जो एक पुरानी पहेली थी। किसी बीमारी से जुड़े प्रोटीन की सही जानकारी होने पर वैज्ञानिक कम समय और लागत में इलाज तलाश सकते हैं। जानकारी बढ़ी। इसी तरह का एक और उदाहरण है रेनटोसेंटिव , फेफड़ों से जुड़ी एक बेहद गंभीर बीमारी की दवा। जेनरेटिव एआई की मदद से खोजी और विकसित की गई यह पहली दवा है। फिलहाल क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे चरण में है।

कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के प्रति समझ बढ़ाने में भी एआई से बहुत सहायता मिली है। ऐसे ही कई और प्रॉजेक्ट हैं, जिन पर दुनियाभर में रिसर्च टीमें लगी हुई हैं।सभी तक पहुंच। चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक हमेशा मददगार रही है और एआई की क्षमताओं को देखते हुए उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही ज्यादा हैं। लेकिन, इसके साथ यह चिंता भी है कि तकनीक का लाभ कुछ खास तक सीमित होकर न रह जाए। अभी कुछ चुनिंदा देश हैं, जिन्होंने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारी निवेश किया है। एआई की कुंजी और उससे जुड़ा आर्थिक लाभ भी फिलहाल इन्हीं के पास है। घातक बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए तकनीक के फायदों को सभी के साथ बांटना होगा। साथ ही, सरकारों को मेडिकल इंफ्रा पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी है। स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत हुए बिना सभी को इलाज नहीं मिल सकता। यह ध्यान भी रखना होगा कि एआई से दवाओं की खोज और उत्पादन में तेजी तो आएगी, पर इलाज बहुत महंगा हुआ तो बड़ी आबादी की पहुंच से बाहर रहेगा। एंथ्रोपिक सीईओ डारियो ने एक अनुमान लगाया है। इसे निश्चित समयसीमा नहीं माना जा सकता। लेकिन, महत्वपूर्ण है कि इससे जुड़ी तैयारियां भी साथ में चलती रहें।

# जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम

**आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है।**

(उमेश चतुर्वेदी)



जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल है। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तरह काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, पीएमएएजीवाय , ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

## सूर्य षष्ठी व्रत यानी सूप में सजी सृष्टि

(दिलीप पाण्डेय)

छठ, प्रकृति पूजा और सहअस्तित्व का लोकदर्शन है। कार्तिक की ठंडी शाम। नदी किनारे हजारों दीये झिलमिला रहे हैं। पानी में उतरी व्रती के हाथ में बाँस का सूप है, जिसमें ठेकुआ, गन्ना, नारियल, केला और मौसमी फल सजे हैं। ध्यान से देखिए तो उस छोटे से सूप में पूरी सृष्टि समाई हुई है। खेत की उपज, पेड़ के फल, नदी का जल और ऊपर आकाश में ढलता सूरज। छठ का यह दृश्य किसी चित्रकार की कल्पना जैसा लगता है, पर यह हमारी हज़ारों साल पुरानी जीवन दृष्टि का सबसे सजीव रूप है।

**इतिहास की परतों में छठ :** सूर्य की उपासना भारत की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। ऋग्वेद में सूर्य और सविता की स्तुति के अनेक मंत्र हैं। गायत्री मंत्र भी सविता देव को ही समर्पित है। वैदिक ऋषि सूर्य को जगत की आत्मा मानते थे।

छठ की जड़ें लोककथाओं और महाकाव्यों में भी मिलती हैं। मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य की आराधना की थी। मुंगेर में आज भी सीता चरण से जुड़ी आस्था इस कथा को जीवित रखे हुए है। महाभारत में सूर्यपुत्र कर्ण के बारे में कहा जाता है कि वे रोज़ घंटों कमर तक जल में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। एक कथा यह भी है कि पांडवों के कठिन समय में द्रौपदी ने यह व्रत रखा था। छठी मैया को षष्ठी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली माँ माना गया है। बिहार के औरंगाबाद ज़िले का देव सूर्य मंदिर इस परंपरा का बड़ा केंद्र है। प्राचीन अंग और मगध की धरती से निकला यह पर्व आज पूर्वांचल, झारखंड, नेपाल के तराई क्षेत्र से लेकर मुंबई, दिल्ली, मॉरीशस और अमेरिका तक मनाया जाता है। जहाँ भी इस मिट्टी के लोग गए, छठ उनके साथ गया।

**बिना पुरोहित की पूजा :** छठ की सबसे अनोखी बात इसकी सीधी सादी बनावट है। यहाँ भक्त और भगवान के बीच कोई तीसरा नहीं खड़ा होता। न किसी विशेष मंत्र की अनिवार्यता है, न किसी भव्य मंदिर की। नदी का किनारा ही वेदी है और खुला आसमान ही गर्भगृह। व्रती खुद पानी में उतरकर अपनी बात सूर्य से कहती है। इस पर्व में तामझाम की कोई जगह नहीं। सामग्री वही जो खेत और बगीचे ने दी। गुड़, गेहूँ, चावल, गन्ना, सिंघाड़ा, हल्दी, मूली। सब कुछ अपने हाथ से बना, पूरी पवित्रता के साथ। चार दिन का कठिन उपवास मन को भी उतना ही निर्मल करता है जितना घाट की सफाई नदी किनारे को।

एक और बात इसे दुनिया के तमाम पर्वों से अलग करती है। यहाँ अस्त होते सूर्य को भी उतने ही आदर से अर्घ्य दिया जाता है जितना उदय होते सूर्य को। चढ़ते को सलाम करना दुनिया की रीत है, पर ढलते को प्रणाम करना भारतीय मन की उदारता है। यह स्वीकार है कि जीवन का हर पड़ाव, उगना भी और ढलना भी, एक ही चक्र के हिस्से हैं।

**प्रकृति पूजा- अंधविश्वास नहीं, विज्ञान है :** कुछ लोग प्रकृति पूजा को पिछड़ेपन से जोड़ते हैं। पर ज़रा सोचिए, जिस सूर्य के बिना एक पत्ता भी हरा नहीं हो सकता, जिस जल के बिना एक दिन भी नहीं कटता, उसके प्रति आभार जताना अंधविश्वास कैसे हुआ? यह तो सबसे वैज्ञानिक कृतज्ञता है। हमारे अन्न, हमारी साँस, हमारी ऊर्जा, सबका मूल सूर्य ही है।

अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त कहता है, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। यानी धरती माता है और मैं उसका पुत्र। ईशोपनिषद सिखाता है कि त्याग के भाव से भोग करो, किसी के धन का लोभ मत करो। हमारे पुरखों ने प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, परिवार का सदस्य माना। इसीलिए पीपल में देवता, तुलसी में माँ, गाय में माता और नदी में देवी देखी गई।

**सहअस्तित्व का पाठ :** सहअस्तित्व का अर्थ है कि इस धरती पर मनुष्य अकेला मालिक नहीं, बल्कि एक साझेदार है। पेड़, पशु, पक्षी, नदी, पहाड़, सबका इस पृथ्वी पर बराबर का हक़ है। हम उनसे लेते हैं तो हमें उन्हें लौटाना भी होगा। यह संतुलन ही जीवन का आधार है। छठ इस विचार को व्यवहार में उतारता है। जब व्रती सूर्य से मिली फसल का एक अंश उसी को अर्पित करती है, तो यह लेन देन का नहीं, आभार का संबंध है। जब पूरा मोहल्ला मिलकर घाट बनाता है, रास्ते साफ करता है, अनजान लोगों को प्रसाद बाँटता है, तो यह मनुष्य और मनुष्य के बीच सहअस्तित्व का उत्सव बन जाता है। यहाँ जाति, वर्ग, अमीरी गरीबी की दीवारें पानी में घुल जाती हैं। सब एक ही घाट पर, एक ही सूरज के सामने खड़े होते हैं।

**आस्था और आचरण की दूरी :** पर आज एक चुभता हुआ सच भी है। जिन नदियों में खड़े होकर हम अर्घ्य देते है, उनमें से कई की हालत दयनीय है। कहीं सफेद झाग तैर रहा है, कहीं प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, कहीं कारखानों का गंदा पानी बह रहा है। बदलते मौसम, घटती हरियाली और सूखते जलस्रोत बता रहे हैं कि प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता बिगड़ चुका है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है। एक तरफ हम नदी को पवित्र मानते हैं, दूसरी तरफ उसी में कचरा फेंकते हैं। अगर छठ की भावना सच्ची है, तो उसे घाट से उठाकर रोज़ की ज़िंदगी में लाना होगा।

**घाट से घर तक संकल्प :** इस बार अर्घ्य के साथ मन में एक वचन भी रखिए। घाट को जितना साफ पाया, उससे बेहतर छोड़कर आइए। पूजा में प्लास्टिक और थर्मोकोल की जगह बाँस, मिट्टी और पत्तों का उपयोग कीजिए। घर में हर बूँद पानी का मोल समझिए। और छठी मैया के नाम पर एक पौधा लगाइए, जिसे अपनी संतान की तरह पालिए। छठ हमें बताता है कि धर्म का असली अर्थ प्रकृति के साथ तालमेल में जीना है। जब सूप में सजी सृष्टि को हम सूरज की ओर उठाते हैं, तो असल में उस सृष्टि की रक्षा का वादा भी करते हैं। इस वादे को निभाना ही इस महापर्व का सच्चा फल है।छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।।

(लेखक 'मानव-केंद्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था' में शोधरत हैं। **ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं**

# पहले नेता और अफसर ही हनीट्रैप में फँसते थे, अब कंपनियों के सीईओ

**अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई।**

(नीरज कुमार दुबे)



यह पूरा मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। दुनिया की सबसे ताकतवर टेक्नोलॉजी कंपनियों में शुमार एनवीडिया के लिए नवंबर 2026 किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा। जिस कंपनी के चिप्स पर दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य टिका है, उसके शेयरों में भारी गिरावट ने निवेशकों को हिलाकर रख दिया है। लेकिन इस बार संकट की वजह न तो किसी नए प्रतिस्पर्धी की चुनौती है और न ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मांग में कमी। इस तूफान के केंद्र में हैं कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग, चीन से जुड़े जासूसी के गंभीर आरोप और एक हनीट्रैप की कहानी।

मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। हम आपको बता दें कि जेनसन हुआंग का ऐलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के साथ संबंध चर्चा में आया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर संदेह था कि ऐलिस हुआंग के चीन की खुफिया व्यवस्था से संबंध हैं। वह सिंगापुर की क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल से जुड़ी रही थीं।

आरोप यह भी है कि उनके कारोबारी नेटवर्क के जरिए अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स चीन तक पहुंचाने में मदद मिली। इस विवाद ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब एनवीडिया के बोर्ड ने स्वतंत्र जांच शुरू की। अमेरिकी जांच एजेंसियों की दिलचस्पी भी इस मामले में बढ़ी। अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई। कंपनी की सीएफओ कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन इस कहानी का असली महत्व सिर्फ एक सीईओ के विवाद में नहीं छिपा है। इसके पीछे चिप्स की वह वैश्विक लड़ाई है, जिसमें तकनीक अब सीधे कूटनीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा का हथियार बन चुकी है।

**चिप्स क्यों बन गए हैं कूटनीतिक हथियार? :** देखा जाये तो आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स की अहमियत तेल और परमाणु तकनीक से कम नहीं है। लड़ाकू विमानों से लेकर मिसाइलों, सैटेलाइट, सुपर कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर महत्वपूर्ण तकनीक के पीछे चिप्स की ताकत है। जिस देश के पास अत्याधुनिक चिप्स और उन्हें बनाने की तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्रभावित करने की क्षमता भी होगी। यही वजह है कि अमेरिका ने चीन को अत्याधुनिक चिप्स की आपूर्ति पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। दूसरी तरफ चीन लगातार ऐसे प्रतिबंधों से बचने और अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एनवीडिया जैसी कंपनी सिर्फ एक कारोबारी प्रतिष्ठान नहीं रह जाती, बल्कि वह अमेरिकी सामरिक हितों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

जेनसन हुआंग का मामला इस बात का उदाहरण है कि किसी कंपनी के सीईओ का निजी जीवन भी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन सकता है। अगर किसी कारोबारी को व्यक्तिगत संबंधों के जरिए प्रभावित किया जा सके तो उसके फैसलों, संपर्कों और कंपनी की रणनीति तक पहुंचने का रास्ता खुल सकता है।

**हनीट्रैप जासूसी की पुरानी तकनीक, नए निशाने :** वैसे इस प्रकार की जासूसी का खेल कोई नई रणनीति नहीं है। शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ की चलक्क और पूर्वी जर्मनी की स्टासी जैसी एजेंसियां भी आकर्षण और प्रेम संबंधों के जरिए महत्वपूर्ण लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कुख्यात थीं। सिंगापुर के राजनयिक अधिकारी एलन वी खेंग सून का मामला इसका चर्चित उदाहरण है।

1980 में उन्हें सोवियत एजेंट के साथ संबंधों और ब्लैकमेल के जरिए गोपनीय सूचनाएं साझा करने के मामले में दस साल की सजा हुई थी। ताइवान के सेना के जनरल लो सिएन-चे को भी चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 2011 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उनके मामले में भी हनीट्रैप की भूमिका की चर्चा हुई थी।

फ्रांस के राजनयिक बर्नार्ड बोरसिकोट का मामला तो जासूसी की दुनिया के सबसे विचित्र प्रकरणों में गिना जाता है। 1964 में बीजिंग में उनकी मुलाकात चीनी ओपेरा कलाकार शी पेई पु से हुई थी। करीब दो दशक तक चले संबंधों में बोरसिकोट को यह विश्वास दिलाया गया कि शी एक महिला हैं और उनका एक बच्चा भी है। इस दौरान बोरसिकोट ने फ्रांस के गोपनीय राजनयिक दस्तावेज साझा किए। 1983 में मामला खुला और 1986 में दोनों को जासूसी का दोषी ठहराया गया था। साथ ही अमेरिका में भी चीनी खुफिया गतिविधियों को लेकर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। चीनी नागरिक फांग फांग के अमेरिकी नेताओं और राजनेताओं से संपर्क बनाने के प्रकरण ने अमेरिकी राजनीति में काफी हलचल मचाई थी। हालांकि, उनके खिलाफ जासूसी का कोई आपराधिक आरोप साबित नहीं हुआ।

बहरहाल, एनवीडिया प्रकरण की सबसे बड़ी सीख यही है कि अब जासूसी का निशाना सिर्फ सैन्य अधिकारी, राजनयिक या सरकारी गोपनीय दस्तावेज नहीं हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के सीईओ, उनके कारोबारी नेटवर्क और उनकी निजी कमजोरियां भी खुफिया एजेंसियों के निशाने पर हो सकती हैं। एआई के दौर में चिप्स पर जिसका नियंत्रण होगा, वह भविष्य की ताकत को प्रभावित करेगा। इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले समय में दुनिया की तकनीकी कंपनियां जासूसी और भू-राजनीतिक संघर्ष का नया युद्धक्षेत्र बनने जा रही हैं?

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

## संक्षिप्त समाचार



### बांसउरकुली विद्यालय के दो शिक्षकों को मिला नवदीप गुरु गौरव सम्मान-2026

**बिलाईगढ़।** शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए शासकीय प्राथमिक विद्यालय बांसउरकुली, विकासखंड बिलाईगढ़ के प्रधान पाठक विनोद कुमार डड़सेना एवं सहायक शिक्षक (विज्ञान) जीतेन्द्र गिरि गोस्वामी को 'नवदीप गुरु गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। नवदीप शिक्षण सेवा समिति छत्तीसगढ़ द्वारा 15 नवंबर को साहू धर्मशाला भवन, कुटेला, सारंगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में दोनों शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेश के 169 चयनित शिक्षकों एवं शिक्षा क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया। दोनों शिक्षकों ने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचारपूर्ण गतिविधियों, कबाड़ से जुगाड़, खेल-खेल में शिक्षा, विज्ञान की दीवार पत्रिका, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, 'एक पेड़ माँ के नाम' और 'एक गमला शहीदों के नाम' जैसी पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद राधेश्याम राठिया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े और बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। दोनों शिक्षकों की उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षक साथियों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिए।



### धान के अवैध भंडारण और परिवहन पर प्रशासन सख्त, धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण ; सालर में 98 कट्टा धान जब्त

**सारंगढ़-बिलाईगढ़,।** समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निगरानी एवं जांच की जा रही है। समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में बिलाईगढ़ एसडीएम शिक्षा शर्मा के मार्गदर्शन में तहसीलदार भटगांव प्रकाश पटेल ने आज साहू ट्रेडर्स, अंतरजिला चेकपोस्ट सलिहा घाट तथा सलिहा घाट धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए खरीदी और निगरानी व्यवस्था पर सतर्कता बरतने को कहा। जिले में धान के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए कुल 21 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें 11 अंतरराज्यीय और 10 अंतरजिला चेकपोस्ट शामिल हैं। जिले में 80 समितियों के अंतर्गत 95 धान खरीदी केंद्र संचालित हैं। चेकपोस्ट और खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान के आवागमन एवं खरीदी व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में सालर में एसडीएम द्वारा धान के अवैध भंडारण की जांच की गई। जांच के दौरान 98 कट्टा धान जब्त किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से धान का भंडारण या परिवहन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

### नवागढ़ गुरुनानक जयंती पर प्रभातफेरी में उमड़ रही श्रद्धा, नगर कीर्तन और विशाल लंगर की तैयारी

**नवागढ़ ।** गगुरुनानक जयंती के पावन अवसर पर सिक्ख समाज द्वारा प्रतिदिन सुबह 5 बजे प्रभातफेरी का आयोजन किया जा रहा है।



प्रभातफेरी में सिक्ख समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। समाज द्वारा 21 नवंबर तक प्रभातफेरी निकाली जाएगी। सुबह की शांत बेला में गुरबाणी, शब्द-कीर्तन और जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठता है। प्रभातफेरी नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती है, जहां श्रद्धालु पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हैं। कार्यक्रम की श्रृंखला में 21 नवंबर को दोपहर 3 बजे भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। नगर कीर्तन में पंज प्यारे, गतका दल और कीर्तनी जत्थे आकर्षण का केंद्र रहेंगे।वहीं 24 नवंबर को गुरुनानक जयंती के अवसर पर विशाल लंगर का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी समाज के लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। समाज के अध्यक्ष ने नगरवासियों से सभी कार्यक्रमों में शामिल होकर गुरु के आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।



### एसडीओ एसके मिश्रा की पहल पर रामानुजगंज की सड़कों पर कराई गई रोड मार्किंग

**रामानुजगंज।** नगर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा पहल की गई है। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ एसके मिश्रा की पहल पर रामानुजगंज शहर के भीतर विभाग के अंतर्गत आने वाली सड़कों पर रोड मार्किंग का कार्य कराया गया है। उल्लेखनीय है कि शहर की सड़कों पर रोड मार्किंग कराने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। रोड मार्किंग नहीं होने के कारण विशेषकर रात के अंधेरे और कोहरे के दौरान वाहन चालकों को सड़क की सीमा और दिशा का स्पष्ट अंदाजा लगाने में परेशानी होती थी।

अब सड़कों पर मार्किंग होने से वाहन चालकों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सर्दियों के मौसम में सुबह और रात के समय कोहरा छाए रहने से सड़क पर दृश्यता कम हो जाती है। ऐसे में रोड मार्किंग वाहन चालकों को सड़क की दिशा और किनारों का अंदाजा लगाने में मददगार साबित होती है। इससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में भी सहायता मिलेगी। रोड मार्किंग होने से जहां शहर की सड़कों की सुंदरता बढ़ी है, वहीं यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। नगरवासियों ने लंबे समय से उठाई जा रही इस मांग पर लोक निर्माण विभाग की पहल को उपयोगी बताया है।

# दीपावली मिलन समारोह में पत्रकारों, साहित्यकारों, कवियों, कलाकारों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान

**बेमेतरा।** दीपावली के पावन पर्व की खुशियों, आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ जिला इकाई बेमेतरा के तत्वावधान में 16 नवंबर 2026, सोमवार को टाउन हॉल, दुर्ग रोड बेमेतरा में भव्य दीपावली मिलन समारोह एवं प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रहलाद रजक, अध्यक्ष रजककार विकास बोर्ड (राज्य मंत्री दर्जा) शामिल हुए। उनके गरिमामय आतिथ्य ने कार्यक्रम की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पत्रकारों, संपादकों, साहित्यकारों, कवियों, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने आयोजन को प्रदेश स्तरीय स्वरूप प्रदान किया। पत्रकारिता, साहित्य, कला और शिक्षा की प्रतिभाओं को मिला सम्मान समारोह का प्रमुख आकर्षण पत्रकारिता, साहित्य, कला एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान रहा। महासंघ द्वारा






ऐसे पत्रकारों एवं रचनात्मक व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने, जनहित के मुद्दों को आवाज उठाने तथा सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

#### प्रदेश पदाधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों की रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मिश्रा, प्रदेश महासचिव पंकज खंडेलवाल, प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर साहू सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे अनेक पदाधिकारी एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। विशेष रूप से श्रवण धृतलहरे, अजीत मिश्रा, तरुण पटेल, विजय कुमार देशलहरे, मणिशंकर दिवाकर, अनिल दुबे, पंडित विद्याशंकर, रमाकांत मिश्रा (कराटे फेडरेशन अध्यक्ष), राजेश यादव (स्टेट हेड, न्यूहिंदुस्तान टीवी) एवं भूषण वास (प्रेस क्लब बिलासपुर) सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

#### सफल आयोजन के लिए जताया आभार

कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन पर छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ जिला इकाई बेमेतरा ने मुख्य अतिथि प्रहलाद रजक, प्रदेश पदाधिकारियों, समस्त अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं, पत्रकार साथियों, साहित्यकारों, कलाकारों, विद्यार्थियों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन उत्साह, आत्मीयता और आपसी सौहार्द के वातावरण में हुआ। इस अवसर ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सम्मान से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है, एकता से संगठन मजबूत होता है और सकारात्मक पत्रकारिता से समाज को नई दिशा मिलती है। बेमेतरा में आयोजित यह प्रदेश स्तरीय समारोह पत्रकारिता जगत के साथ-साथ साहित्य, कला, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र की प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में यादगार रहा।

#### निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक दायित्व पर दिया जोर

समारोह में उपस्थित अतिथियों ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, उसकी विश्वसनीयता, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार केवल समाचारों का संकलन और प्रसारण करने वाला माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आवाज, लोकतंत्र का सजग प्रहरी और जनहित के मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने पत्रकारों के बीच आपसी एकता, समन्वय, सहयोग और संगठनात्मक मजबूती को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि पत्रकारों का सम्मान वस्तुतः लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनसेवा की भावना का सम्मान है।

#### दीपावली मिलन ने दिया प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश

दीपावली मिलन समारोह ने सामाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम, भाईचारे और संगठनात्मक एकजुटता की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों का एक मंच पर एकत्रित होना इस बात का प्रतीक रहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए पत्रकारिता, साहित्य, कला, शिक्षा और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ ने न केवल पत्रकारों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, बल्कि समाज की प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की अपनी सकारात्मक सोच को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

# शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्हेरा में धूमधाम से मनाई गई आंवला नवमी

#### आंवले के पेड़ के नीचे पूजा, बच्चों को मिला स्वास्थ्य और संस्कार का संदेश

**बेमेतरा।** कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि, जिसे आंवला नवमी अक्षय नवमी कहते हैं, इस वर्ष शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रार्थना सभा से हुई। स्कूल परिसर में स्थित आंवले के वृक्ष के नीचे सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने एकत्र होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। आंवले के वृक्ष को जल, रोली, अक्षत और फूल-माला अर्पित की गई और सभी ने वृक्ष की परिक्रमा की। आरती पांडे प्रधान पाठिका, प्राथमिक शाला-उन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने बच्चों को बताया कि आंवला नवमी केवल पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का पर्व है। आंवले के पेड़ की



पूजा हमें पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। श्री चौवन सिंह वर्मा मिडिल स्कूल, कन्हेरा-उन्होंने आंवला नवमी के पौराणिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी आंवले के वृक्ष में निवास करते हैं। इसी दिन से द्वापर युग की शुरुआत मानी जाती है। श्रीमती पुष्पा साहू ने आंवले के औषधीय गुणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा आंवला विटामिन-सी का सबसे बड़ा स्रोत है। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है, बाल मजबूत होते हैं और इम्यूनिटी बढ़ती है। प्रवीण कुमार वर्मा ने बच्चों को आंवला खाने के लिए प्रेरित किया और आंवले से बनने वाले मुरब्बा, अचार, च्यवनप्राश के बारे में बताया। श्रीमती रेखा साहू ने पूजा की संपूर्ण व्यवस्था संभाली और बच्चों को पूजा विधि सिखाई।

श्रीमती ऊषा मानिकपुरी ने बच्चों को आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने की परंपरा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज के दिन पेड़ के नीचे भोजन करने से पुण्य मिलता है। टोपलाल गेडरे ने कार्यक्रम का संचालन किया और बच्चों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक बच्चा - एक पेड़ का संकल्प लेना चाहिए। अहिमन सिन्हा-उन्होंने कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया और बच्चों को प्रसाद वितरित किया।

# जिला अस्पताल सक्ती में सीएमएचओ पूजा अग्रवाल का औचक निरीक्षण



**सक्ती।** जिला अस्पताल सक्ती में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लेने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीपीएम कीर्ति बड़ा एवं सीएस डॉ. रविंद्र सिदार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. पूजा अग्रवाल ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, परिसर की साफ-सफाई, स्वच्छता व्यवस्था, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। अस्पताल परिसर एवं वार्डों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मरीजों को शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

### धान खरीदी में पारदर्शिता को लेकर कलेक्टर सख्त, धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

**बलरामपुर।** जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने बलंगी-तुगवां अंतरराज्यीय बैरियर एवं बलंगी धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को अवैध धान परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण रखने और चेकपोस्ट पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अंतरराज्यीय बैरियर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि दूसरे राज्यों से होने वाले अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए पूरी सतर्कता बरतें। चेकपोस्ट से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जाए, ताकि बाहरी राज्यों का धान किसी भी स्थिति में जिले के धान उपार्जन केंद्रों तक नहीं पहुंच सके। इसके पश्चात कलेक्टर ने बलंगी धान उपार्जन केंद्र का



निरीक्षण कर खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धान की गुणवत्ता परीक्षण के लिए शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की प्रत्येक प्रक्रिया पारदर्शी एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि वास्तविक किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता बनाए रखना और अवैध धान की आवक पर प्रभावी नियंत्रण करना आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री तुलसीदास मरकाम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मो. निजामुद्दीन, तहसीलदार अश्वनी चन्द्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### तीन दिन मे 1314 किसानों से 3785 मीट्रिक टन धान खरीदी

**बलौदा बाजार।** खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 मे 15 नवम्बर 2026 से शुरू हुए समर्थन मूल्य मे धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले मे 17 नवम्बर तक 1314 किसानों से 3785 मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसमें सिमगा अनुविभाग के उपार्जन केंद्रों मे सर्वाधिक 14194 क्विंटल की खरीदी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 से 17 नवम्बर 2026 तक राजस्व अनुविभाग सिमगा के 34 उपार्जन केंद्रों मे 14194 क्विंटल,अनुविभाग भाटापारा के 27 उपार्जन केंद्रों मे 13817 क्विंटल,अनुविभाग पलारी के 35 उपार्जन केंद्रों मे 4970 क्विंटल, अनुविभाग बलौदाबाजार के 20 उपार्जन केंद्रों मे 2737 क्विंटल एवं अनुविभाग कसडोल के 23 उपार्जन केंद्रों मे 2131 क्विंटल धान खरीदी हुई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले मे धान खरीदी की व्यापक तैयारी की गई है। इस वर्ष जिले के 181उपार्जन केंद्रों मे धान खरीदी की जा रही है।

# राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित कार्यशाला में पत्रकारों की सहभागिता, महाविद्यालय परिवार ने जताया आभार

**रामानुजगंज।** राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर शासकीय लरंग साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामानुजगंज में आयोजित कार्यशाला में नगर के पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला में पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति, सकारात्मक संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान से कार्यक्रम सार्थक एवं ज्ञानवर्धक बना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि एवं महाविद्यालय अध्यक्ष विकास गुप्ता, प्राचार्य रोज लिली बड़ा की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर पत्रकार विकास दुबे, पवन पाण्डेय, सुनील ठाकुर, मनी पासवान, मनोज तिवारी, अर्पित तिवारी, उन्जवल तिवारी, नवीन तिवारी, रवीश अग्रवाल, रागीव खान, विक्रांत मालाकार, अभिषेक दुबे एवं पीयूष गुप्ता सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार ने कार्यशाला में शामिल सभी पत्रकारों के प्रति



आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों के विचारों, अनुभवों एवं सकारात्मक सहभागिता ने कार्यशाला को समृद्ध बनाया। साथ ही, विभिन्न समाचार पत्रों में कार्यक्रम की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कर महाविद्यालय की गतिविधियों एवं कार्यशाला के उद्देश्यों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए पत्रकारों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। महाविद्यालय की ओर से यह भी बताया गया कि जो पत्रकार साथी अपरिहार्य कारणों से कार्यशाला में शामिल नहीं हो सके, उनके लिए स्मृति-चिह्न सुरक्षित रखे गए हैं। वे अपनी सुविधानुसार महाविद्यालय पहुंचकर सम्मानपूर्वक स्मृति-चिह्न प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी शिक्षा, समाज एवं जनहित से जुड़े विषयों पर महाविद्यालय और मीडिया के बीच सकारात्मक संवाद, सहयोग एवं समन्वय निरंतर बना रहेगा। अंत में समस्त पत्रकार साथियों के प्रति पुनः आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

#### 408 बूथों पर अध्यक्ष नियुक्त करने का लक्ष्य

# बिलाईगढ़ में कांग्रेस सेवादल की संगठन विस्तार बैठक संपन्न

**बिलाईगढ़।** कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से बिलाईगढ़ में कांग्रेस सेवादल की ब्लॉक स्तरीय संगठन विस्तार बैठक आयोजित की गई। बैठक में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के कार्यकर्ता एवं विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के सभी 408 पोलिंग बूथों पर सेवादल के अध्यक्ष नियुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी. श्रीनिवासन एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरुण ताम्रकर, अतिरिक्त प्रदेश अध्यक्ष संतोष पांडेय तथा महिला प्रदेश अध्यक्ष



मंजूलता आनंद के निर्देशानुसार, जिला अध्यक्ष इंदूभूषण पड़वार के मार्गदर्शन में यह बैठक आयोजित की गई। इसमें ब्लॉक संगठन बिलाईगढ़ के मिशन बंजारे, ब्लॉक संगठन सरसींवां के रेशम अजय, शहर अध्यक्ष सरसींवां विक्रांत बंजारे एवं शहर अध्यक्ष पवनी मनोज साहू के नेतृत्व में संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की गई।

**वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की रही विशेष मौजूदगी**-बैठक में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ताराचंद देवांगन, प्रदेश सचिव छत्रसाल साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी सुनील सिंघानिया, कांग्रेस सेवादल के अतिरिक्त जिला अध्यक्ष कमलेश कुर्रे, बिलाईगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष लकेश्वर देवांगन, सोनाखान ब्लॉक अध्यक्ष युधिष्ठिर नायक, किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री अप्पू नवरंग, वरिष्ठ अधिवक्ता जागेश्वर लहरे, कांग्रेस नेत्री लता जाटवर, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष फिरत राम खटकर, वरिष्ठ कांग्रेसी नल पटेल एवं हरिहर साहू उपस्थित रहे।इसके अलावा पार्षद सुनील यादव, मंडल अध्यक्ष यशवंत साहू, भगवानु जायसवाल, अरविंद मनहर, युवा नेता राकेश मानिकपुरी, राम पंकज, कांग्रेस सेवादल जिला महामंत्री युगल किशोर, जिला सचिव दयाल कोसले, भोला यादव, अशोक निराला, सुनील साहू।

पुरुषोत्तम साहू, लक्ष्मीनारायण साहू, लखन केवट, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, ब्लॉक सचिव सालिक साहू, कृष्णा साहू, पार्षद प्रतिनिधि रामा हिरवानी, सनित कुर्रे, ब्लॉक उपाध्यक्ष मनोज टंडन, अमृत साहू, खोल्टू चौहान सहित नगर पंचायत पवनी के पार्षद रामगोपाल साहू, जगदीश साहू, सम्मे साहू, महेंद्र साहू, मनोज साहू, गुड्डा एवं पीलू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

#### 408 बूथों पर सेवादल अध्यक्ष बनाने का लक्ष्य

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष इंदूभूषण पड़वार ने विधानसभा क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से 408 पोलिंग बूथों के लिए अध्यक्षों के नाम प्रस्तावित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि संगठन विस्तार के तहत अब तक चार ब्लॉक स्तरीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। पहली बैठक नगर पंचायत पवनी, दूसरी पेंड्रावन, तीसरी नगर पंचायत भटगांव और चौथी बैठक बिलाईगढ़ ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के कुल 408 पोलिंग बूथों में से अब तक 240 बूथों पर सेवादल अध्यक्ष के रूप में कार्यकर्ताओं का चयन किया जा चुका है। शेष 140 बूथ बलौदाबाजार जिले के अंतर्गत आने वाले सोनाखान ब्लॉक क्षेत्र में हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### घर में घुसकर दंपती से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

**कोरिया।** घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में बैकुण्ठपुर पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से मोबाइल बंद कर और लगातार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया शबाना खातून ने थाना बैकुण्ठपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 अक्टूबर 2026 की रात करीब 9:30 बजे मो. तनवीर उर्फ तन्नू उसके घर में घुस आया। इस दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए प्रार्थिया और उसके पति शाहिद अहमद के साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में दोनों को चोटें आई थीं। मामले में थाना बैकुण्ठपुर में अपराध क्रमांक 310/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 333, 296, 351(3) और 115(2) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी मो. तनवीर उर्फतन्नू (34 वर्ष), पिता मो. मुस्ताक, निवासी वार्ड क्रमांक 10 डबरीपारा को पुलिस ने 17 नवंबर को डबरीपारा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

### सजेगी कविता की महफिल, देशभर के कवि सुनाएंगे हास्य-व्यंग्य और गीत

**कोरबा।** हंसी के ठहाकों, व्यंग्य की धार, गीतों की मिठास और श्रृंगार की खूबसूरती से सजी काव्य संध्या का आनंद लेने का मौका कोरबा के नगरजनों व साहित्यप्रेमियों को मिलने जा रहा है। 18 नवम्बर,बुधवार को निहारिका स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन एयर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया है। कवि सम्मेलन का शुभारंभ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजू देवी राजपूत के द्वारा की जाएगी। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नगर पालिक निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिला सहकारी केंद्रित मर्यादित बैंक बिलासपुर के पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र पांडेय, नरेंद्र देवांगन पार्षद एवं एमआईसी सदस्य नगर पालिका निगम कोरबा मां सर्वमंगला मंदिर प्रबंधकध्पुजारी पं. नमन पांडेय, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अमरजीत सिंह एवं सोनू पांडेय जिला अध्यक्ष नरेंद्र मोदी विचार मंच की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कविता.. जो दिल से दिल तक पहुंचे' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए ख्यातिप्राप्त कवि और कवयित्रि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे और भावनाओं से जोड़ेंगे। कार्यक्रम में हास्य, व्यंग्य, गीत और श्रृंगार रस की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी। अलग-अलग काव्य विधाओं के रचनाकारों की मौजूदगी से यह शाम साहित्य, मनोरंजन और संवेदनाओं का संगम बनेगी। कवि सम्मेलन में प्रयागराज के अखिलेश द्विवेदी हास्य कविताओं से श्रोताओं को हंसाएंगे। रायपुर के गीतकार मीर अली मीर अपनी गीतात्मक प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। पश्चिम बंगाल से पवन बांके बिहारी हास्य काव्य का रंग जमाएंगे, जबकि कटनी की प्रियंका मिश्रा श्रृंगार रस की कविताओं से काव्य संध्या को खास बनाएंगी। इसके साथ ही कोरबा के हिरामणी वैष्णव, बिलाईगढ़ के शशि भूषण स्नेही और बरमकेला के कमलेश यादव 'धाकड़' भी अपनी हास्य कविताओं से कार्यक्रम में ठहाकों का रंग भरेंगे।

### चार्ली चौपाटी व माडर्न आर्ट फाउंटेन का लोकार्पण किया उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने

**कोरबा।** प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कोरबा जिला प्रभारी मंत्री श्री अरूण साव ने नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा नवनिर्मित वेंडिंग जोन चार्ली चैपाटी एवं जलचक्र एस.एस.माडर्न आर्ट फाउंटेन का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस मौके पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, निगम के मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षद व जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 17 अटल परिसर के पीछे दर्री मुख्य मार्ग पर 27 लाख 55 हजार रूपये की लागत से वेडिंग जोन '' चार्ली चैपाटी '' का निर्माण कराया गया है। इसी प्रकार सीएसईबी चैक में 15 लाख 75 हजार रूपये की लागत से जलचक्र एसएस माडर्न आर्ट फाउंटेन भी स्थापित किया गया है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व कोरबा जिला प्रभारी मंत्री श्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की अध्यक्षता में उक्त दोनों महत्वपूर्ण कार्यों का लोकार्पण उनके द्वारा किया गया, इस मौके पर कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर विशिष्ट रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री साव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन में यहाँ पर सुंदर चैपाटी का निर्माण कराया गया है।

# फिजियोथेरेपी के उज्ज्वल भविष्य और मरीज-केंद्रित उपचार में टीमवर्क के महत्व के संदेश के साथ छह दिवसीय इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'प्रारंभ-2026' का शुभारंभ.....

**बिलासपुर।** शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय, बिलासपुर द्वारा नवप्रवेशित बी.पी.टी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम ' प्रारंभ 2026 ' का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स ), बिलासपुर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी शिक्षा, चिकित्सा व्यवस्था, व्यावसायिक नैतिकता, शैक्षणिक गतिविधियों एवं भविष्य में एक कुशल फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में उनकी भूमिका से परिचित कराना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिक्षा जांगड़े, बायोकेमिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विभा टंडन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा बरापात्रे, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. हेमलता ठाकुर, कैंसर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रहास ध्रुव, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सागरिका प्रधान, फिजियोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजू जॉय, शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना पटेल, नोडल



अधिकारी डॉ. प्रवीण महिलांगे, समस्त शिक्षकगण एवं नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिम्स अधिष्ठाता डॉ. रामणेश मूर्ति ने फिजियोथेरेपी के बढ़ते महत्व एवं चिकित्सा क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में फिजियोथेरेपी की भूमिका निरंतर विस्तृत हो रही है तथा मरीजों के उपचार, पुनर्वास एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में फिजियोथेरेपिस्ट का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण, अनुशासन, निरंतर अध्ययन एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना पटेल ने अधिष्ठाता महोदय एवं सिम्स के समस्त विभागाध्यक्षों और शिक्षकगणों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय के शुरुवाती चरण से मूर्ति सर ने जिस तत्परता, सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना के साथ हमारा मार्गदर्शन किया, वह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। चिकित्सा महाविद्यालय के अनुभवी एवं विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें व्यावहारिक चिकित्सा सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि ' प्रारंभ2026' उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन की एक नई और महत्वपूर्ण शुरुआत है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस का मुख्य शैक्षणिक सत्र 'मल्टीडिसिप्लिनरी टीम अप्रोच ' पर केंद्रित रहा। इस विषय पर कैंसर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रहास ध्रुव ने विद्यार्थियों को विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में किसी भी मरीज का उपचार केवल एक विशेषज्ञ तक सीमित नहीं होता, बल्कि चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्सिंग स्टाफ पोषण विशेषज्ञ एवं अन्य स्वास्थ्य पेशेवर एक समन्वित टीम के रूप में कार्य करते हैं। इस टीम का साझा उद्देश्य मरीज की आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार की योजना बनाना तथा उसे बेहतर स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने विशेष रूप से कैंसर रोगियों के उपचार एवं पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की भूमिका को समझाया।

# द्वितीय क्षेत्रीय स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक में रेल कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर हुई विस्तृत चर्चा

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में आज दिनांक 18 नवंबर 2026 को द्वितीय क्षेत्रीय स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती दर्शनीता बी. अहलूवालिया सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मेन्स कांग्रेस यूनियन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों, समस्याओं एवं मांगों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। यूनियन पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के हितों से संबंधित विषयों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान एवं सुविधाओं के विस्तार की मांग रखी गई। बैठक के



दौरान कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता तथा टिकटिंग स्टाफ को कार्य निष्पादन के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के संबंध में विशेष रूप से सार्थक चर्चा हुई। बैठक में रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने यूनियन पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विषयों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए उचित पहल करने के संबंध में विचार-विमर्श किया। इस बैठक के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन एवं यूनियन के बीच कर्मचारियों से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। बैठक में कर्मचारी कल्याण, बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं तथा कार्य के दौरान कर्मचारियों को होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान की दिशा में सकारात्मक चर्चा की गई।

# बिलासपुर रेलवे मंडल में पेंशनर्स के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया

■ करंजी एवं कोरबा स्टेशन में आयोजित शिविर में 56 से अधिक पेंशनर्स के बने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र



**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेल, बिलासपुर मंडल द्वारा सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों की कल्याण एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए 01 से 30 नवंबर 2026 तक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने एवं स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन प्रमुख स्टेशनों पर निर्धारित तिथियों में किया जा रहा है, ताकि पेंशनर्स को उनके नजदीकी स्थानों पर ही बिना भागदौड़ किए डिजिटल सेवाओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ सहजता के साथ मिल सके। इसी क्रम में 18 नवम्बर को करंजी स्टेशन में तथा 19 नवम्बर को कोरबा स्टेशन में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविर में 56 से अधिक पेंशनर्स का आधार आधारित ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी किए गए। साथ ही करंजी स्टेशन में मनेन्द्रगढ़ चिकित्सा टीम द्वारा तथा कोरबा स्टेशन में कोरबा चिकित्सा टीम द्वारा इन सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान कर्मचारी कल्याण निरीक्षकों की टीम भी उपस्थित रहे।

# बुढ़ार स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

■ संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सर्तकता, सजगता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने के लिए किया गया प्रेरित

**बिलासपुर।** मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में मंडल संरक्षा विभाग द्वारा संरक्षा कोटि के कर्मचारियों में सजगता के साथ संरक्षित कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक करने हेतु निरंतर संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जा रहा है इसी कड़ी में आज दिनांक 19 नवम्बर 2026 को बुढ़ार स्टेशन में वरि.मंडल संरक्षा अधिकारी श्री मनीष अग्रवाल, एआरएम अनूप कुमार बागड़ी, एडीएसटीई शहडोल श्री अजय वर्मा तथा संरक्षा सलाहकारों की उपस्थिति में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में स्टेशन मास्टर, एसएसई, जेई, डीटीआई, सीएलआई, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, पाइंटमैन, गेटमैन, टेक्निशियन, गेंगमैन, कामर्शियल क्लर्क, आरपीएफ सहित विभिन्न विभागों के रेल कर्मचारियों ने भाग



लिया। संगोष्ठी के दौरान रेल परिचालन में संभावित जोखिमों, दुर्घटनाओं के कारणों तथा उन्हें रोकने के लिए अपनाई जाने वाली प्रभावी सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही संरक्षा सलाहकारों द्वारा स्पेड (स्क्षह), वर्कसाइट प्रोटेक्शन, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, लोड स्टेबलिंग, इंटरलॉक एवं नॉन-इंटरलॉक पॉइंट पर शंटिंग, ओएचई आइसोलेटर एवं ओएचई ब्लॉक के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों तथा कोचों को अलग करने की निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन पर भी चर्चा की गई। अग्निशमन एवं प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरि.मंडल संरक्षा अधिकारी श्री मनीष अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को संरक्षा नियमों का पालन करते हुए अपनी ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता, सजगता एवं अनुशासन के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से शॉर्टकट अपनाने से बचने, कार्य प्रारंभ करने से पहले आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा कार्य को निर्धारित समय-सीमा में सुरक्षित तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों को आपसी समन्वय एवं स्पष्ट संवाद बनाए रखते हुए संरक्षा को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

# खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

■ छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत पदक विजेताओं को मिलेगी 75 हजार तक खेलवृत्ति, 30 नवम्बर तक कर सकते हैं आवेदन

■ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले वरिष्ठ, जूनियर और सब-जूनियर खिलाड़ियों को सालाना 20 से 75 हजार तक की खेलवृत्ति

**बिलासपुर।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत खेलवृत्ति के लिए राज्य के खिलाड़ियों से आवेदन मंगाए हैं। योजना के अंतर्गत प्रदेश के राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को 75 हजार रुपए तक की सालाना खेलवृत्ति दी जाएगी। विभाग द्वारा वरिष्ठ, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों को पदक के अनुसार 20 हजार रुपए से 75 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने खेलवृत्ति दी जाती है। इसके लिए पात्र खिलाड़ी 30 नवम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले वरिष्ठ वर्ग के खिलाड़ी को 75 हजार रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपए और तृतीय स्थान वाले को 40 हजार रुपए की खेलवृत्ति दी जाएगी। जूनियर वर्ग में क्रमश: 60 हजार, 40 हजार और 30 हजार रुपए तथा सब-जूनियर वर्ग में 50 हजार, 25 हजार और 20 हजार रुपए दिए जाएंगे। खेलवृत्ति के लिए 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच आयोजित अधिकृत राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अर्जित उपलब्धियों को आधार बनाया जाएगा। ओलंपिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स और नेशनल गेम्स में शामिल खेल विधाओं की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ी इसके पात्र होंगे। आवेदन में खेल के नाम का उल्लेख करना अनिवार्य है। खेलवृत्ति के लिए इन खेलों को किया गया है शामिल- छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना में खेलवृत्ति के लिए ओलंपिक खेल एक्वाटिक्स, आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, कैनोइंग, साइकिलिंग, इक्वेस्ट्रियन, फेंसिंग, हॉकी, फुटबॉल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, मॉडर्न पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन, सेलिंग, शूटिंग, स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, सर्फिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती को शामिल किया है। एशियाई खेलों में शामिल एक्वाटिक्स, आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बेसबॉल, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, ब्रेक डांसिंग, कैनोइंग, क्रिकेट, साइकिलिंग, ड्रैगन बोट, इक्वेस्ट्रियन, फेंसिंग, हॉकी, फुटबॉल, गोल्फ जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, मार्शल आर्ट, माइंड स्पोर्ट्स, मॉडर्न पेंटाथलॉन, रोलर स्पोर्ट्स, रोइंग, रग्बी सेवन, सेलिंग।

# उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने युवाओं से किया आत्मीय संवाद सफलता के साथ अच्छे नागरिक बनने का दिया गया संदेश...

■ जीवन की चुनौतियों से घबराएं नहीं, निरंतर आगे बढ़ते रहे युवा'

■ उप मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का किया सम्मान, 80 लाख के विकास कार्यों की घोषणा की

**बिलासपुर।** उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली जिले के ग्राम कोतरी के सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय महाविद्यालय में आयोजित युवा संवाद में विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के साथ एक अच्छा नागरिक बनना भी जरूरी है। सफलता कम मिले तो निराश न हो। कठिन परिस्थितियों में भी हौसले के साथ आगे बढ़ते रहें। जल्दी सफलता मिलने पर जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार रहें। श्री साव ने महाविद्यालय की व्यवस्थाओं और सुंदर परिसर की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस महाविद्यालय का संचालन महानगरों के स्तर की व्यवस्थाओं के साथ हो रहा है। यहां के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के एनएसएस शिविर में शामिल होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विद्यार्थियों की ये उपलब्धियां लोरमी को पहचान दिलाएंगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने टेबल टेनिस में लगातार चार वर्षों से महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। छात्र-छात्राओं के रक्तदान की




सराहना करते हुए श्री साव ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह किसी जरूरतमंद को जीवन देने का सबसे बड़ा सेवा कार्य है। युवाओं का यह सेवाभाव समाज के लिए प्रेरणादायी है। श्री साव ने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और खेलों के साथ समाज सेवा के प्रति भी समर्पित होना चाहिए। जीवन में अपनी सफलता के साथ समाज और देश के लिए भी योगदान देने का भाव रखे। युवा अपनी प्रतिभा और मेहनत से अपना भविष्य संवारे, साथ ही अपने गांव, क्षेत्र और छत्तीसगढ़ का नाम भी रोशन करे। विकास कार्यों की घोषणा की- उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कालेज बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, मंच के लिए 10 लाख रुपए एवं खेल मैदान के उन्नयन के लिए 40 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पहुंच मार्ग के लिए पहले ही 19 लाख रुपए की स्वीकृति हो चुकी है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अखिलेश शर्मा, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप मिश्रा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, डॉ. उदय जायसवाल और श्री दिनेश साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्राध्यापकगण, ग्रामीण एवं विद्यार्थी मौजूद थे।



## 20 या 21 नवंबर... कब है देवउठनी एकादशी?

### चातुर्मास का होगा समापन

हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है. इसे देवोत्थान एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा से जागते हैं. इसी के साथ चातुर्मास का समापन हो जाता है और विवाह, गृह प्रवेश समेत तमाम शुभ व मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है. लेकिन इस साल देवउठनी एकादशी की तारीख को लेकर लोगों के बीच कंफ्यूजन की स्थिति बनी हुई है. कुछ जगहों पर यह पर्व 20 नवंबर को बताया जा रहा है तो कुछ जगहों पर 21 नवंबर को.

### कब है देवउठनी एकादशी

कार्तिक एकादशी तिथि की शुरुआत: 20 नवंबर, सुबह 7 बजकर 15 मिनट से
कार्तिक एकादशी तिथि का समापन: 21 नवंबर, सुबह 6 बजकर 31 मिनट तक
उदयातिथि और व्रत के नियमों के अनुसार, गृहस्थ यानी स्मार्त परंपरा के श्रद्धालु 20 नवंबर दिन शुक्रवार को देवउठनी एकादशी का व्रत रखेंगे. वहीं वैष्णव संप्रदाय के श्रद्धालुओं के लिए 21 नवंबर को गौण देवउठनी एकादशी का विधान है. इसलिए दोनों तारीखों का उल्लेख पंचांग में मिलता है. देवउठनी एकादशी के दिन ही तुलसी विवाह की भी परंपरा है.

### देवउठनी एकादशी पूजन का शुभ मुहूर्त

**ब्रह्म मुहूर्त** : 05:02 ए एम से 05:55 ए एम
**अभिजित मुहूर्त** : 11:46 ए एम से 12:29 पी एम
**गोधूलि मुहूर्त** : 05:26 पी एम से 05:53 पी एम
**निशिता मुहूर्त** : 11:41 पी एम से 12:35 ए एम, 22 नवंबर
**रवि योग**: 06:49 ए एम से 06:50 ए एम
इसके अलावा शाम के समय प्रदोष काल में भगवान विष्णु को योग निद्रा से जगाने की परंपरा है. भक्त इस दौरान दीपक जलाते हैं, शंख और घंटियां बजाते हैं तथा भगवान से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं.

### व्रत का पारण

जो श्रद्धालु 20 नवंबर को एकादशी का व्रत रखेंगे, वे 21 नवंबर 2026 को दोपहर 1 बजकर 11 मिनट से 3 बजकर 18 मिनट के बीच व्रत का पारण कर सकते हैं. पारण से पहले हरि वासर की समाप्ति का ध्यान रखना चाहिए. हरि वासर 21 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजकर 7 मिनट पर समाप्त होगा. वहीं 21 नवंबर को गौण एकादशी का व्रत रखने वाले श्रद्धालु 22 नवंबर को सुबह 6 बजकर 49 मिनट से 8 बजकर 56 मिनट तक पारण कर सकते हैं.

### क्यों खास है देवउठनी एकादशी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी को चार महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं. इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है. कार्तिक शुक्ल एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के साथ चातुर्मास समाप्त होता है. इस दिन तुलसी विवाह का भी विशेष महत्व है. कई स्थानों पर भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह कराया जाता है. मान्यता है कि देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं.

### तुलसी विवाह के लिए शुभ मुहूर्त क्या होगा?

देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह करने की मान्यता है। शास्त्रों के अनुसार, तुलसी विवाह गोधूलि बेला में करने का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 24 मिनट से लेकर 5 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। इस मुहूर्त में तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा कर सकते हैं।




# देवउठनी एकादशी?

## होगा चातुर्मास का समापन मांगलिक कार्य होंगे शुरू

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है. हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है. इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है. ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है.

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से जाना जाता है। इस दिन श्रीहरि विष्णु निद्रा से जागते हैं। आइए जानें कैसे करें व्रत-पूजन :

- देवउठनी एकादशी के दिन व्रत करने वाली महिलाएं प्रात:काल में स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं :

### कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें :

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमान: सचन्त यत्र पूर्वे साध्या: सन्तिदेवा:'

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें : -

'इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता।
त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना'
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो।
न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन'

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं।

(शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से 'समुत्थिते ततो विष्णौ क्रिया: सर्वा: प्रवर्तयेत' के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं)। अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।

देवउठनी एकादशी का व्रत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. इसे हरि प्रबोधिनी एकादशी और देवुत्थान एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. देवउठनी एकादशी को चातुर्मास का समापन होता है, साथ ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य पर लगी रोक भी हट जाती है. इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और अगले दिन तुलसी विवाह का भी आयोजन होता है. व्रती अपने घरों में तुलसी के साथ भगवान शालिग्राम का विवाह कराते हैं. इससे सुख और सौभाग्य बढ़ता है.



### देवउठनी एकादशी पर इस शुभ मंत्र से जागते हैं देव

देवउठनी एकादशी से भगवान विष्णु जाग्रत होते हैं। पुराणों में वह मंत्र और श्लोक वर्णित है जिसे देव को उठाने के समय बोला जाता है।

**देव प्रबोधन मंत्र इस प्रकार है :**

ब्रह्मेन्द्ररुदाग्नि कुबेर सूर्यसोमादिभिर्वन्दित वंदनीय, बुध्यस्य देवेश जगन्निवास मंत्र प्रभावेण सुखेन देव।
अर्थात- ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, अग्नि, कुबेर, सूर्य, सोम आदि से वंदनीय, हे जगन्निवास, देवताओं के स्वामी आप मंत्र के प्रभाव से सुखपूर्वक उठें। हम देवोत्थान हेतु इस प्रकार स्तुति करते हैं :
उदितष्ठोतिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पते, त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत्सुप्तं भवेदिदम।
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोतिष्ठ माधव।
वास्तव में देव प्रबोधन एकादशी भगवान विष्णु की आराधना का अभिनव अवसर है। देव प्रबोधन एकादशी को प्रात:काल (ब्रह्म मुहूर्त) में नगर-नगर में भगवान नाम स्मरण, रामधुन (श्रीराम जय राम, जय-जय राम) कीर्तन गाजे-बाजे के साथ बालक, युवा, वृद्ध नर-नारी शामिल होकर नगर परिक्रमा करते हैं तथा आतिशबाजी के साथ देवोत्थान उत्सव मनाते हैं। गृह लक्ष्मी को हाथ में कलश के ऊपर दीप प्रज्ज्वलित कर चलना चाहिए। इससे अत्यधिक पुण्य फल प्राप्त होता है। पुराणों में इस तिथि को संपन्न पूजन कार्य को अत्यधिक फलदायी माना गया है। हरि-जागरण के उपरांत ही शुभ-मांगलिक कार्य प्रारंभ होते हैं।



## पवित्र तिथि है देवउठनी एकादशी, इस दिन न करें ये काम

**देवउठनी एकादशी अत्यंत पवित्र तिथि है। इस दिन तन-मन-धन की पवित्रता को बनाए रखने के पूरे प्रयास करना चाहिए। यह तिथि इतनी शुभ है कि मन, कर्म और वचन की थोड़ी सी अशुद्धि भी आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। शास्त्रों में बताया गया है कि एकादशी के दिन कौन से कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए.**

### जुआ खेलना

जुआ खेलना एक सामाजिक बुराई है। जो व्यक्ति जुआ खेलता है, उसका परिवार व कुटुंब भी नष्ट हो जाता है। जिस स्थान पर जुआ खेला जाता है, वहां अधर्म का राज होता है। ऐसे स्थान पर अनेक बुराइयां उत्पन्न होती हैं। इसलिए सिर्फ आज ही नहीं बल्कि कभी भी जुआ नहीं खेलना चाहिए।

### रात में सोना

एकादशी की रात को सोना नहीं चाहिए। पूरी रात जागकर भगवान विष्णु की भक्ति करनी चाहिए। भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर के निकट बैठकर भजन करते हुए ही जागरण करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

### पान खाना

एकादशी के दिन पान खाना भी वर्जित माना गया है। पान खाने से मन में रजोगुण की प्रवृत्ति बढ़ती है। इसलिए एकादशी के दिन पान न खा कर व्यक्ति को सात्विक आचार-विचार रख प्रभु भक्ति में मन लगाना चाहिए।

### दातून करना

एकादशी पर दातून (मंजन) करने की भी मनाही है। इस निषेध के शास्त्रसम्मत कारण नहीं मिलते हैं।

### परनिंदा

परनिंदा यानी दूसरों की बुराई करना। ऐसा करने से मन में दूसरों के प्रति कटु भाव आ सकते हैं। इसलिए एकादशी के दिन दूसरों की बुराई न करते हुए भगवान विष्णु का ही ध्यान करना चाहिए।

### चुगली करना

चुगली करने से मान-सम्मान में कमी आ सकती है। कई बार अपमान का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सिर्फ एकादशी ही नहीं अन्य दिनों में भी किसी की चुगली नहीं करना चाहिए।

### चोरी करना

चोरी करना पाप कर्म माना गया है। चोरी करने वाला व्यक्ति परिवार व समाज में घृणा की नजरों से देखा जाता है। इसलिए सिर्फ एकादशी ही नहीं अन्य दिनों में भी चोरी जैसा पाप कर्म नहीं करना चाहिए।

### हिंसा करना

एकादशी के दिन हिंसा करने की मनाही है। हिंसा केवल शरीर से ही नहीं मन से भी होती है। इससे मन में विकार आता है। इसलिए शरीर या मन किसी भी प्रकार की हिंसा इस दिन नहीं करनी चाहिए।

### स्त्रीसंग

एकादशी पर स्त्रीसंग करना भी वर्जित है क्योंकि इससे भी मन में विकार उत्पन्न होता है और ध्यान भगवान भक्ति में नहीं लगता। अत: एकादशी पर स्त्रीसंग नहीं करना चाहिए।

### क्रोध

एकादशी पर क्रोध भी नहीं करना चाहिए। इससे मानसिक हिंसा होती है। अगर किसी से कोई गलती हो भी जाए तो उसे माफ कर देना चाहिए और मन शांत रखना चाहिए।

### झूठ बोलना

झूठ बोलना व्यक्तिगत बुराई है। जो लोग झूठ बोलते हैं, उन्हें समाज व परिवार में उचित मान सम्मान नहीं मिलता। इसलिए सिर्फ एकादशी पर ही नहीं अन्य दिनों में भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

# देवउठनी ग्यारस तुलसी विवाह उत्सव



कार्तिक माह में कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा जैसे कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है. हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है. इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है. ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है. देवउठनी ग्यारस का मतलब होता है कि देवों का उठना. ये एकादशी साल भर की एकादशी में से इसीलिए सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस दिन से चार महीने पहले भगवान विष्णु व अन्य देवता गण क्षीरसागर में जाकर सो जाते हैं. इसी वजह से देव शयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी के बीच में कोई भी शुभ कार्य नहीं होता हैं. देवउठनी एकादशी से देव उठते हैं. साथ ही जब इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के बाद सो कर जगे थें तो तुलसी के पौधे से उनका विवाह होता है. इसीलिए मान्यता है कि तुलसी और विष्णु जी के शालिग्राम रूप का विवाह वाले को कन्यादान करने का पुण्य प्राप्त मिलता है.

इसे देव प्रबोधनी एकादशी या देवउठनी एकादशी को तुलसी विवाह उत्सव भी कहा जाता है. ये त्योहार दिवाली के 11 दिन बाद मनाया जाता है. इसे तुलसी विवाह के रूप में भी जाना जाता है. ये हर साल कार्तिक शुक्ल पक्ष ग्यारस के दिन किया जाता है. इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना होता है. इस दिन व्रत करने की परंपरा है. स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. वैसे तो इस दिन नदी में स्नान करने को बेहद शुभ माना जाता है. ये व्रत एकादशी को शुरू होता है और द्वादश को खोला जाता है. इस दिन तुलसी की पूजा और पूरी विधि विधान के साथ विष्णु जी के रूप शलिग्राम जी से उनका विवाह संपन्न करवाया जाता है. इस दिन तुलसी की पूजा में लोग कन्यादान करते हैं. हिंदू धर्म के अनुसार संसार में यदि सबसे बड़ा कन्यादान है तो वह है कन्यदान. इसीलिए इस दिन लोगों को कन्यादान करने का सौभाग्य भी प्राप्त होता है.







देवउठनी एकादशी को लेकर बाजारों में रौनक आने लगी है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत मानी जाती है। इस अवसर पर होने वाले तुलसी विवाह की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। तुलसी विवाह के दौरान होने वाले पूजा अर्चना में गन्ने का विशेष महत्व होता है।जिसके चलते बाजारों में गन्ने की आवक शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में गन्ने बाजारों में पहुंच रहे हैं।साथ ही पूजा सामग्री की दुकानें भी सजने लगे हैं। फोटो: नाहीद शेख

# छतोद पंचायत में सरपंच के खिलाफ महाबगावत! उपसरपंच समेत सभी 15 पंचों ने खोला मोर्चा, कुर्सी पर मंडराया संकट

**शराब के नशे में पंचायत आने, आय-व्यय का हिसाब नहीं देने, पंचों से दुर्व्यवहार और मनमानी के गंभीर आरोप; सभी पंच एकजुट, प्रशासन तक पहुंचा मामला**

तिल्दा-नेवरा। ग्राम पंचायत छतोद में सरपंच की कार्यप्रणाली को लेकर चल रहा असंतोष अब खुली बगावत में बदल गया है। सरपंच ओम प्रकाश ध्रुव के खिलाफ उपसरपंच सहित पंचायत के सभी 15 निर्वाचित पंच एकजुट होकर सामने आ गए हैं। गुरुवार को सभी पंचों ने एक साथ सब्रू कार्यालय पहुंचकर सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की पहल की। पंचायत की राजनीति में इस घटनाक्रम के बाद भूचाल आ गया है और सरपंच की कुर्सी पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। पंचों ने सरपंच पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि सरपंच पंचायत में शराब के नशे में पहुंचते हैं, पंचायत के आय-व्यय और वित्तीय लेन-देन का पारदर्शी हिसाब नहीं देते तथा अपने पद की जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। इतना ही नहीं, निर्वाचित पंचों के साथ दुर्व्यवहार और भेदभाव करने तथा पंचायत में मनमानी तरीके से कामकाज चलाने के आरोप




भी लगाए गए हैं।

### जब अपने ही साथ नहीं, तो पंचायत कैसे चलेगी?

ग्राम पंचायत में सरपंच और पंचों के बीच बेहतर तालमेल से विकास कार्यों को गति मिलनी चाहिए, लेकिन छतोद में स्थिति इसके उलट नजर आ रही है। उपसरपंच सहित सभी 15 पंचों का एकजुट होकर विरोध में उतरना पंचायत के भीतर गहरे असंतोष की ओर इशारा करता है। पंचों का कहना है कि सरपंच की कार्यशैली से वे लंबे समय से परेशान हैं। पंचायत के वित्तीय हिसाब-किताब में पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों के सम्मान को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

### 15 में से 15 पंच एकजुट, क्या जाएगी सरपंच की कुर्सी?

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरपंच के खिलाफ केवल कुछ पंच नहीं, बल्कि उपसरपंच समेत सभी 15 पंच एक साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। पंचायत के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का एकजुट होना सरपंच के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गया है। अब निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या सरपंच ओम प्रकाश ध्रुव अपनी कुर्सी बचा पाएंगे या छतोद पंचायत में नेतृत्व परिवर्तन होगा, यह आने वाला समय तय करेगा।फिलहाल छतोद पंचायत में एक ही चर्चा है-जब उपसरपंच से लेकर सभी पंच सरपंच के खिलाफ लामबंद हो गए हैं, तो क्या अब सरपंच की कुर्सी बच पाएगी?

# हनी ट्रैप के जरिए युवक को जाल में फंसाकर चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, युवती सहित 06 आरोपी गिरफ्तार



* सोशल मीडिया पर युवती से दोस्ती कर युवक को मिलने के बहाने चांपा बुलाया, फिर साथियों के साथ मिलकर की मारपीट एवं लूटपाट।

* चाकू दिखाकर ?60 हजार नगद एवं सोने की अंगूठी लूटने वाले गिरोह पर कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई।

* गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 30 हजार नगद, घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं 02 मोटरसाइकिल जप्त।

जांजगीर-चांपा । जिले के थाना कोतवाली जांजगीर क्षेत्र का मामला सोशल मीडिया के माध्यम से युवक से दोस्ती कर उसे हनी ट्रैप में फंसाने और मिलने के बहाने बुलाकर अपने साथियों के साथ चाकू की नोक पर मारपीट एवं लूटपाट करने वाले गिरोह का पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ यूलैंडन यार्क के कुशल मार्गदर्शन में तथा ष्टस्क कोतवाली योगिताबाली खापर्डे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पर्दाफाश करते हुए एक महिला सहित कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की रकम में से ?30,000 नगद, घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं 02 मोटरसाइकिल जप्त की हैं।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, मिलने के बहाने बुलाकर की लूटपाट

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी मनीष वर्मा जिला रायगढ़ का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट के माध्यम से जिला रायगढ़ क्षेत्र की युवती से परिचय हुआ था। बातचीत के दौरान युवती लगातार प्रार्थी को चांपा मिलने के लिए बुला रही थी। प्रार्थी अपने मित्र के साथ कार से युवती से मिलने चांपा पहुंचा। युवती के कहने पर वह अपने मित्र को मड़वा प्लांट के मुख्य द्वार पर छोड़कर उसके साथ आगे चला गया।

इसी दौरान रात्रि करीब 12:20 बजे मड़वा प्लांट के पास 06 युवक कार के पास पहुंचे और चाकू दिखाकर प्रार्थी को बाहर निकाल लिया। आरोपियों ने उसके साथ हाथ-मुक्कों एवं बेल्ट से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी तथा ?60,000 नगद और पहनी हुई सोने की अंगूठी लूटकर फरार हो गए। घटना में युवती की भी आरोपियों के साथ मिलीभगत होना सामने आया।

त्वरित पुलिस कार्रवाई, महिला सहित 06 आरोपी गिरफ्तार

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली जांजगीर में अपराध क्रमांक 917/2026, धारा 115(2), 308 (2), 111(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल महिला सहित सभी 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी

01. अमित राठौर, उम्र 21 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 12, जांजगीर।

2. रवि झलरिया, उम्र 24 वर्ष, निवासी हसदेव विहार कॉलोनी, जांजगीर।

3. किशन कर्ष, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम महुदा, थाना चांपा, हाल खडफड़ी पारा वार्ड क्रमांक 21, जांजगीर।

4. कुनाल पाण्डेय, उम्र 20 वर्ष, निवासी लिंक रोड शंकर विहार कॉलोनी, जांजगीर, हाल भोजपुर मिशन हॉस्पिटल, थाना चांपा।

5. मुकेश कश्यप उर्फ छोट्, उम्र 19 वर्ष, निवासी जोबी (जवें च), थाना जांजगीर।

6. एक युवती जिला रायगढ़ क्षेत्र की

नगदी, मोबाइल एवं 02 मोटरसाइकिल जप्त

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम में से ?30,000 नगद, घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं वारदात में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल जप्त की गई हैं। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जांजगीर-चांपा पुलिस की आम नागरिकों से अपील

सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से दोस्ती एवं बातचीत करते समय सतर्क रहें। बिना पर्याप्त जानकारी एवं पहचान की पुष्टि किए किसी अनजान व्यक्ति से मिलने न जाएं। विशेषकर सुनसान एवं एकांत स्थानों पर जाने से बचें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा धोखाधड़ी की आशंका होने पर तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस को सूचना दें।

# विशेष वाहन, कोटवारों की मुनादी एवं रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड सहित सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान

**चेक बाउंस के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण हेतु 21 नवंबर को विशेष लोक अदालत**

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ह्लस), नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय न्यायमूर्ति श्री पार्थ प्रतीम साहू, कार्यकारी अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग श्री के. विनोद कुजूर के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक बाउंस) के अंतर्गत वर्ष 2026 की द्वितीय विशेष लोक अदालत का आयोजन दिनांक 21 नवंबर 2026 को किया जा रहा है।इस विशेष लोक अदालत का मुख्य




उद्देश्य चेक अनादरण से संबंधित लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण सुनिश्चित करना है, ताकि पक्षकारों को लंबी न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत मिल सके तथा उनके समय एवं धन की बचत के साथ विवादों का त्वरित समाधान हो सके।विशेष लोक अदालत को सफल बनाने तथा इसकी जानकारी जिले के अधिकाधिक नागरिकों एवं संबंधित पक्षकारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा व्यापक एवं बहुआयामी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, धमधा एवं भिलाई सहित विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलंटियर्स (ब्बहुह्वा) के माध्यम से जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।जनसामान्य तक विशेष लोक अदालत की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विशेष प्रचार-प्रसार वाहन का भी उपयोग किया जा रहा है, जिसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को विशेष लोक अदालत के आयोजन, उद्देश्य एवं लाभों की जानकारी दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराकर आम नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा गांवों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर नागरिकों को धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस से संबंधित प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया एवं विशेष लोक अदालत के लाभों से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही ऐसे लंबित प्रकरणों के पक्षकारों से संपर्क कर उन्हें आपसी बातचीत, सहमति एवं समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।विशेष लोक अदालत के माध्यम से संबंधित पक्षकारों को अपने विवाद का आपसी सहमति से निराकरण कराने का अवसर प्राप्त होगा। लोक अदालत में समझौते के आधार पर पारित आदेश को विधिक मान्यता प्राप्त होती है। इसका उद्देश्य किसी एक पक्ष की जीत या हार नहीं, बल्कि दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान कर सौहार्दपूर्ण संबंधों को बनाए रखना तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के बोझ को कम करना है।

**वरिष्ठ नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने दी दीपावली की शुभकामनाएं, सभी निकायों में बूथ जीतने का संकल्प; समाज प्रमुखों का किया सम्मान**

# दीपावली मिलन में दिखी भाजपा की एकजुटता, नगरीय निकाय चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में भरा जोश

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में भाजपा की संगठनात्मक एकजुटता, आपसी सौहार्द एवं आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। समारोह में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर दीपावली की शुभकामनाएं साझा कीं। दीपावली के उल्लास के बीच सभी नगरीय निकायों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प भी व्यक्त किया गया।समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के गृह मंत्री विजय शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, पूर्व अहिवारा विधायक सावला राम डहरे, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिलाई जिला प्रभारी रामजी भारती, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे तथा भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन सहित अनेक वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे। दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। दीपों के पर्व को प्रेम, सद्भाव, सकारात्मकता और सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए सभी ने आपसी संबंधों को मजबूत बनाने तथा समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। समारोह के दौरान



वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय मुलाकात और संवाद का सिलसिला चलता रहा। उत्सव के इस अवसर पर संगठन के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक साथ जुटे और दीपावली की खुशियां साझा कीं। समारोह के दौरान विभिन्न समाजों के प्रमुखों एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। भाजपा जिला भिलाई की ओर से समाज प्रमुखों को सम्मानित कर उनके सामाजिक योगदान, जनसेवा एवं समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने की भूमिका की सराहना की गई। इस अवसर पर समाज प्रमुखों और भाजपा नेताओं के बीच आत्मीय संवाद हुआ। सम्मान कार्यक्रम ने दीपावली मिलन समारोह को सामाजिक समरसता, सम्मान और आपसी सहभागिता का विशेष अवसर बना दिया।

समारोह में आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर संगठनात्मक चर्चा भी प्रमुख रही। उपस्थित नेताओं ने सभी निकायों में भाजपा की जीत के लक्ष्य को लेकर कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जुटने का आह्वान किया। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, बूथ समितियों को सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा जनता के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया गया। चुनावी तैयारियों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने और संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

नेताओं ने कहा कि किसी भी चुनाव में बूथ संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मजबूत बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और जनता के बीच निरंतर संवाद चुनावी सफलता का आधार बनते हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसकी सक्रियता एवं समर्पण से ही पार्टी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकती है। इसी भावना के साथ सभी निकायों में बूथ जीतने का संकल्प लिया गया। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे आपसी समन्वय, टीम भावना और संगठन के प्रति निष्ठा के साथ चुनावी मैदान में जुटें तथा पार्टी की विचारधारा एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं।

भाजपा जिला भिलाई का दीपावली मिलन समारोह पर्व की खुशियों को साझा करने के साथ संगठनात्मक एकजुटता, सामाजिक सम्मान और आगामी चुनावों के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का अवसर बना। समारोह में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दीपावली की शुभकामनाओं के साथ सभी नगरीय निकायों में भाजपा का परचम लहराने और बूथ स्तर पर जीत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

आत्मीयता, उत्साह एवं संगठन के प्रति समर्पण से भरा यह दीपावली मिलन समारोह कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करते हुए आगामी नगरीय निकाय चुनावों में जीत के संकल्प, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक मजबूती के संदेश के साथ संपन्न हुआ*कार्यक्रम में मुख्य रूप से* जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, नटवर ताम्रकार, पूनम शुक्ला, चित्रा केशवलु, गोपाल कृष्ण वर्मा, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी,जिला मंत्री विनोद सिंह, रश्मि सिंह, भारती साहू, पारस जंघेल, मनोज तिवारी, कुबेर शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, सह कोषाध्यक्ष हेमंत देवांगन, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, कार्यालय मंत्री सचिन ताम्रकार,,राजेंद्र सिंह जिला प्रवक्ता प्रेमलाल साहू, विजय सिंह,मीडिया सह प्रभारी सूरज जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी ज्ञानदास मानिकपुरी, आईटी सेल प्रभारी बॉबी चौहान, जाकिर हुसैन, सुभाष शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल, दिनेश देवांगन, दीपक यादव, खगेश कोसरिया,मंडल अध्यक्ष दीपक भौंडेकर, धर्मेंद्र सिंह, हीरामन रोहित साहू, गोल्डी सोनी, तरुण सिंह, गोपाल साहू सहित मंडल महामंत्री, जिला एवं मंडल पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com